समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अगस्त २०१६ • वर्ष ६७ • अंक ८

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

७०वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजा राममोहन राय सरणी, कोलकाता स्थित सम्मेलन भवन में सम्मेलन के पदाधिकारियों/सदस्यों के साथ झंडोत्तोलन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला।

इस अंक में :

- अध्यक्षीय : राजनैतिक सक्रियता समय की माँग
- मारवाड़ी : बंगाल की राजनीति में
- पश्चिम बंग के नवनिर्वाचित विधायकों का सम्मान
- प्रादेशिक रपट : बिहार, उत्कल एवं दिल्ली
- कृष्णं वंदे जगद्गुरुम्!

२७ अगस्त २०१६ को हिन्दुस्तान क्लब, कोलकाता में समाज के नवनिर्वाचित विधायकों हेतु आयोजित सम्मान समारोह में (बायें से) श्री संतोष सराफ, श्री सीताराम शर्मा, विधायक श्री कन्हैयालाल अग्रवाल, श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, विधायिका सुश्री वैशाली डालमिया, सांसद श्री विवेक गुप्त एवं श्री शिव कुमार लोहिया।

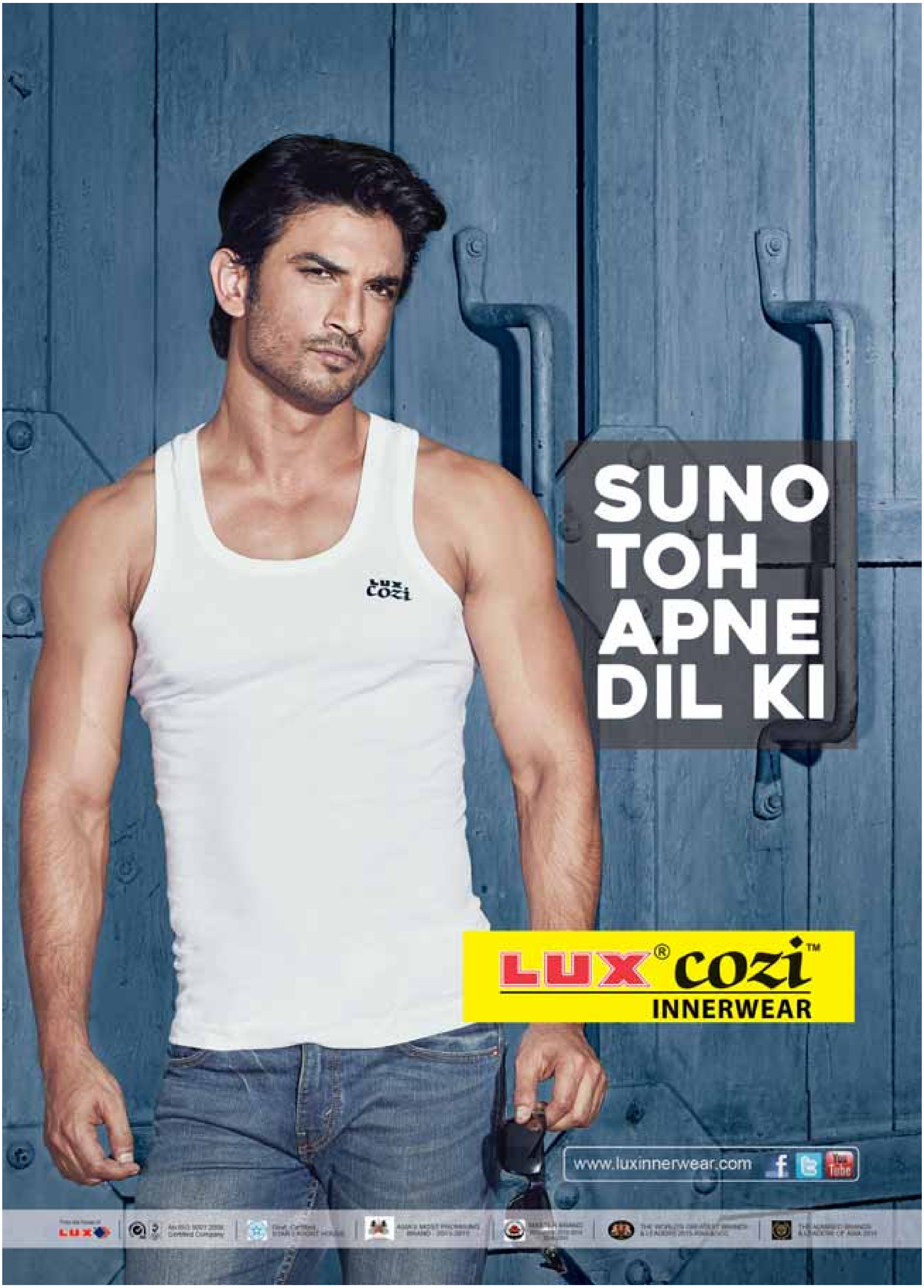

SUNO
TOH
APNE
DIL KI
LUX® cozi™
INNERWEAR
www.luxinnerwear.com

समाज विकास

◆ अगस्त २०१६ ◆ वर्ष ६७ ◆ अंक ८

◆ एक प्रति - ₹ १० ◆ वार्षिक - ₹ १००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
• **सम्पादकीय : सन्तोष सराफ** बढ़ती राजनैतिक भागीदारी संतोषप्रद	३
• **चिट्ठी आई है**	५
• **अध्यक्षीय : प्रह्लाद राय अगरवाला** राजनैतिक सक्रियता समय की माँग	५
• **केन्द्रीय / प्रान्तीय समाचार**	७-१६
• **लेख : सीताराम शर्मा** मारवाड़ी : बंगाल की राजनीति में	१७-१८
• **लेख : शिव कुमार लोहिया** कृष्णं वंदे जगद्‌गुरुम्!	२१
• **विविध**	२३-२७
• **सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत**	२९-३०

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७

फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com

◆ Website : www.marwarisammelan.com

के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित

प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : संतोष सराफ

सम्पादकीय सहयोग : शिव कुमार लोहिया, संजय हरलालका एवं भंवरमल जैसनसरिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्पादकीय

बढ़ती राजनैतिक भागीदारी संतोषप्रद

— सन्तोष सराफ

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से समाजबंधुओं की में राजनीति सशक्त भागीदारी पर जोर दिया जाता रहा है। कुछ वर्षों पहले "कोषाध्यक्ष नहीं, अध्यक्ष बनो का नारा" दिया गया था। तात्पर्य यह था कि धन के वलबूते पर राजनीति करने की जगह जमीन से जुड़ने को प्राथमिकता दिया जाये। हाल ही सम्पन्न हुए विभिन्न प्रांतों के चुनावों में समाज के कुछ महिला-पुरुष जनता के प्रतिनिधि के तौर पर निर्वाचित हुए हैं। यह एक अच्छी बात है। असम में तीन एवं पश्चिम बंगाल में दो समाजबंधु विधायक चुने गए हैं। झारखण्ड से श्री महेश पोद्दार हरियाणा से श्री सुभाष चंद्रा राज्यसभा के लिए सांसद के रूप में निर्वाचित हुए हैं। यह हर्ष का विषय है कि पूर्वोत्तर, झारखंड एवं पश्चिम बंगाल से चुने गए समाज के जनप्रतिनिधियों का सम्मेलन द्वारा गुवाहाटी, राँची एवं कोलकाता में सम्मान किया गया। यह एक स्वस्थ परम्परा है इस प्रकार के समारोहों से राजनैतिक जागरूकता बढ़ती है एवं सभी समाजबंधुओं को प्रेरणा मिलती है।

इस महीने पश्चिम बंगाल के विधायकद्वय श्री कन्हैयालाल अग्रवाल एवं सुश्री वैशाली डालमिया का सम्मेलन की ओर से कोलकाता में सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में समाज के पुरुष-महिलाओं की उपस्थिति उत्साहवर्धक थी। विभिन्न वक्ताओं ने इस बार पर जोर दिया कि राजनीति में असरदार भागीदारी से ही हम अपनी आवाज सशक्त कर सकते हैं। अपने वक्तव्य में श्री कन्हैयालाल अग्रवाल ने कहा कि राजनीति समाज सेवा का माध्यम है। राजनीतिक शक्ति प्राप्त कर हम समाज की अधिक से अधिक सेवा कर सकते हैं। उन्होंने यह बताया कि उनका मोबाइल चौबीस घंटे चालू रहता है एवं कोई भी व्यक्ति उनसे संपर्क स्थापित कर सकता है। अन्य विधायक सुश्री वैशाली डालमिया ने भी एक स्वर में राजनीति में समाज सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। निर्वाचित होने के बाद अपने इलाके में किये गये उन्नयन मूलक कार्य का भी उन्होंने संक्षिप्त विवरण दिया।

इसमें कोई शक नहीं कि समाज की अपनी छवि है। अपने समर्पण एवं सेवा भावना से युक्त सम्पन्न कार्यों के द्वारा इस छवि को और भी उज्ज्वल करने का उत्तरदायित्व समाज के विधायकों के कंधों पर है। यहाँ यह स्पष्ट करना समीचीन होगा कि राजनीति में भागीदारी का तात्पर्य सिर्फ उम्मीदवार होना ही नहीं है। मतदान में अधिक से अधिक भाग लेना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह संतोष की बात है कि हम इस ओर सजग हो रहे हैं। परिणाम भी आ रहे हैं। महत्वपूर्ण बात यह भी है जो विधायक चुन कर आ रहे हैं उनके इलाकों में समाज बंधुओं की संख्या नगण्य है। राजनीति में पारदर्शिता, ईमानदारी एवं उत्तरदायित्व महत्वपूर्ण होता है। आशा है कि समाज के चुने हुए प्रतिनिधि इस संबंध में सजग रहेंगे। समाजबंधुओं की बढ़ती राजनैतिक भागीदारी सम्मेलन के लिए हर्ष का विषय है। देर से ही सही, विगत वर्षों में किये गये प्रयासों के सुफल मिल रहे हैं। प्रयास जारी रखना है, परिणाम आगे भी अवश्य मिलेंगे। ★★★

२००६ में पारित वैवाहिक आचार संहिता : व्यवहार में परिणत कराये सम्मेलन

वैवाहिक समारोहों में फिजूलखर्ची, धन का भौड़ा प्रदर्शन, बेतरतीब नाच-गान और मद्यपान पिछले कई दशकों से एक ज्वलंत समस्या रहे हैं। सम्मेलन के विभिन्न मंचों पर इस विषय पर चर्चाएँ हुई हैं, चिन्तन शिविर आयोजित किए गए हैं, गोष्ठियाँ हुई हैं। आज भी गाहे-बेगाहे यह प्रश्न उठता रहता है।

इस संदर्भ में सन् २००६ में आयोजित एक चिन्तन शिविर उल्लेखनीय है। सम्मेलन के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा की परिकल्पना से ४-५ नवम्बर २००६ को साल्टलेक, कोलकाता स्थित जयनारायण गुप्ता स्मृति भवन में आयोजित इस चिंतन शिविर में सम्मेलन के केन्द्रीय-प्रांतीय पदाधिकारी, महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा एवं अन्य पदाधिकारी, युवा मंच के पदाधिकारियों सहित स्थानीय विद्वानों एवं समाजचिंतकों ने शिरकत की। दो दिनों तक गहन विचार-मंथन के बाद एक वैवाहिक आचार-संहिता तय की गयी जो निम्नवत है :

- मिलनी सबकी ४ रुपया, चाँदी छोड़ कागज का रुपया।
- पानी से पापड़ तक अधिकतम २५ व्यंजन का नियम लागू हो।
- विवाह में दोनों पक्ष को मिलाकर यथासंभव सीमित उपस्थिति हो।
- कम खर्च वाले साधारण निमंत्रण पत्र छपने चाहिए।
- सज्जन गोठ बन्द हो।
- नेग का कार्यक्रम एक ही होना चाहिए।
- सगाई/विवाह की मिठाई का खर्च वर पक्ष ही वहन करें।
- बैण्ड, सड़क पर नाच, वैवाहिक समारोहों में शराब का उपयोग वर्जित हो।
- रात्रि के विवाह की बनिस्पत दिन के विवाह को प्राथमिकता दी जाए।

इस आचार-संहिता को सम्मेलन ने यथाशक्ति प्रचारित-प्रसारित किया। प्रांतीय शाखाओं ने भी अपने-अपने स्तर से कदम उठाए। एक विचार-मंच के रूप में सम्मेलन ने अपनी भूमिका निभायी, समाधान तलाशा किन्तु इसको व्यवहार में परिणत करने के लिए पूरे समाज के हर परिवार की भागेदारी जरूरी है।

आज की परिस्थितियों का अगर आप आकलन करें, तो पायेंगे कि कुल मिलाकर स्थिति शुभ नहीं है। आज फिर हमें इस विषय पर विचार करने, समाधान का मार्ग तय करने और सबसे जरूरी सभी को उस मार्ग पर कैसे लाया जा सके, यह सोचना है।

उपर्युक्त के आलोक में प्रांतीय इकाइयों, शाखा सम्मेलनों, समाजचिंतकों से उपरोक्त आचार संहिता को रूपायित करने हेतु पुनर्प्रयास का अनुरोध है।

जुगलकिशोर सराफ
चेयरमैन,
समाज सुधार उपसमिति

सीताराम शर्मा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं
चेयरमैन, सलाहकार उपसमिति

AGARWAL MARRIAGE BUREAU

SANTOSH KAUSHIK (Proprietor)

Mo: +91 9831014505
+91 9674805683

E-mail: smbpltd@gmail.com/santoshkaushik505@gmail.com

HEAD OFFICE :

29, Ganesh Chandra Avenue, 4th Floor
Room No. 401, Kolkata - 700013
Tele : (033) 40034763
Mo: +91 8336971412

BRANCH OFFICE :

13, Kamal Kunj, Poddar Road, Malad (E) Mumbai-400 097
Mo : +91 8336971413

चिट्ठी आई है

सम्मान समारोह के विषय में जानकर मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हुई। विधायिका के रूप में श्रीमती वैशाली डालमिया की विजय संपूर्ण मारवाड़ी समाज की महिलाओं के लिये विशेष गर्व की बात है। साथ ही श्रीमान कन्हैयालालजी अग्रवाल को भी नूतन विधायक के रूप में निर्वाचन पर मेरी हार्दिक बधाई! मेरे स्वास्थ्य की वजह से, ऐसे शुभ अवसर पर अनुपस्थित रहा, यह बड़े ही मर्म की बात है।

नवनिर्वाचित दोनों विधायकों के सुखद जीवन एवं समाज के हित में सर्वदा सहयोग प्राप्ति की आशा एवं अपेक्षा की कामना रखता हूँ। जन्माष्टमी की शुभेच्छा!

प्रेमचंद अग्रवाल
भुवनेश्वर (ओडिशा)

• • • • •

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि सम्मेलन की नई टीम आने के पश्चात् आपने समाज विकास के सम्पादन का भार ग्रहण कर लिया है। चूँकि मैं इधर कई वर्षों से नागपुर रहने लग गया हूँ, आपसे सम्मेलन से जो लगाव है, उसकी मुझे जानकारी है। सम्मेलन से मेरा जो पाँच-छः दशकों का सम्बन्ध है, उसकी कमोबेश जानकारी आपको अवश्य होगी। मेरा साथ स्व. भंवरलालजी सिंघी एवं बजरंगलालजी लाठ जैसे लोगों से रहा। सामाजिक आन्दोलन को गति देने, हम लोगों ने कई जुलूसों में भाग लिया। समाज सुधार समिति के मंत्री के नाते, मैंने और श्री सिंघीजी ने अनेक विवाह-शादी वालों के घर जाकर उनसे मुलाकात की। समाज के कार्य-शैली पर मेरे मन में भी कई बातें है, जिनपर कभी अवसर मिला तो बातें करेंगे।

आपको आज यह पत्र लिखने का आशय केवल दो विषयों को लेकर है - (क) आपके द्वारा समाज विकास के सम्पादन का भार ग्रहण कर लेने पर आपको बधाई। (ख) बाँठिया नाम के पुरुष-सिंह हुए (जिनका पूरा नाम फिलहाल मेरी याददास्त में नही है) जिनके ब्रिटिश सरकार ने स्वतंत्रता संग्राम में, क्रांतिकारी गतिविधियों में लिप्त होने के कारण, फाँसी पर लटका दिया था। कुछ बंधु जो स्वाधीनता संग्राम के विषय की जानकारी रखते हैं, उनसे श्री बाँठिया जी के बलिदान की गाथा संग्रह कर, समाज विकास में एक लेख छापने का प्रयास करें। ऐसे महापुरुष के जीवन वृतान्त से समाज के प्रौढ़ एवं युवा सभी को प्रेरणा मिलेगी।

मोहनलाल चोखानी, नागपुर, महाराष्ट्र

अध्यक्षीय

राजनैतिक सक्रियता समय की माँग

– प्रह्लाद राय अगरवाला

मातृशक्ति, युवाशक्ति, भाइयों,

सर्वप्रथम आप सबको परम पुनीत राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें! स्वतंत्रता दिवस जैसे पवित्र अवसर हम सब में राष्ट्रीयता का भावना का पुनर्संचार करते हैं, हमें अपने बलिदानी पूर्वजों की याद दिलाते हैं और आज के परिप्रेक्ष्य में हमारे कर्त्तव्यों के विषय में हमें सचेत करते हैं। आज राष्ट्र और समाज के समक्ष जो चुनौतियाँ हैं, उनके आलोक में हमारा आचरण क्या हो, राष्ट्र-निर्माण में हमारी भूमिका क्या हो, इन पर विचार कर अपने लक्ष्य एवं कार्यक्रम निर्धारित करने के अवसर हैं ये, राष्ट्र के प्रति पुनसमर्पण के अवसर हैं ये।

यह हर्ष का विषय है कि मारवाड़ी समाज की नयी पीढी व्यापार-मात्र तक ही सीमित नहीं है और विभिन्न क्षेत्रों में अपने उपलब्धियों से समाज को गौरवान्वित कर रही है। तथापि, **हमारे सामाजिक जीवन के एक अति महत्वपूर्ण पहलू - राजनैतिक चेतना एवं सक्रियता, के प्रति हमारे समाज में साधारणतया उदासीनता रही है और सम्मेलन के लिये यह विषय चिंतनीय है।** गत २७ अगस्त २०१६ को, अपने समाज से, पश्चिम बंग विधान सभा हेतु निर्वाचित सुश्री वैशाली डालमिया एवं श्री कन्हैयालाल अग्रवाल हेतु कोलकाता में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। **समारोह में राजनैतिक विषयों पर परिचर्चा के दौरान यह बात सामने आयी कि हमें अपने समाज के राजनैतिक कार्यकर्ताओं और राजनेताओं को और सहयोग-समर्थन देने की आवश्यकता है। उनकी सेवाओं और उपलब्धियों को पहचान और मान्यता मिलनी चाहिए।**

अप्रैल २०१६ में आयोजित सम्मेलन के २४वें राष्ट्रीय अधिवेशन में हमने **"संगठित समाज-सशक्त आवाज"** के मूलमंत्र को अपनाया। समाज को एकत्रित करने, सम्मेलन को मजबूत करने के लिए सदस्यता-विस्तार आदि के क्षेत्र में हम सतत प्रयासरत हैं, अच्छी उत्साहवर्धक सफलता भी मिल रही है। **मैं साधुवाद देना चाहूँगा बिहार, झारखंड, उत्कल, एवं दिल्ली की प्रादेशिक शाखाओं को एवं केन्द्रीय टीम से राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका (संयोजक, सदस्यता उपसमिति) को, जिनकी सक्रियता इस दिशा में उल्लेखनीय एवं प्रशंसनीय है।** हमारा अनुरोध है कि प्रत्येक स्तर से इस हेतु लगातार प्रयास होते रहें। जैसा आपको ज्ञात है, गत महीनों में हमने समाज की अन्य संस्थाओं को भी सम्मेलन के साथ जोड़ने की पहल की है। मुझे बताते हुए अत्यंत हर्ष है कि कोलकाता की स्थानीय संस्थाओं में से दस ने सम्मेलन की सम्बद्धता ग्रहण की है। इस दिशा में भी हमारे प्रयास जारी रहेंगे। **हमारा लक्ष्य है कि समाज का प्रत्येक व्यक्ति - नारी, नर, युवा, वृद्ध – सम्मेलन के कार्यक्रमों से जुड़े। यह तभी सम्भव है जब हम सब मिलकर प्रयास करेंगे।**

जय समाज, जय राष्ट्र। ★★★

Wuth Best Compliments From :

BISHWANATH LOHIA SEVA VIKAS TRUST

171/1, J N Mukherjee Road
Howrah - 711 106, W.B.
Phones : 2655 7964 / 5475
Fax : (91 33) 2655 1964

अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों को भी रखें याद: प्रह्लाद राय अगरवाला

हमारे पूर्वजों के बलिदानों से प्राप्त स्वतंत्रता पर गर्वान्वित होने के साथ-साथ हमें अपने कर्त्तव्यों के प्रति भी सचेत रहना चाहिए। स्वतंत्र भारत में प्राप्त अपने अधिकारों का लाभ उठाते हुए हमें वर्तमान परिस्थितियों का आकलन कर अपना कर्त्तव्य स्थिर करना चाहिए और उनका पालन करना चाहिए। ये विचार हैं सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लादराय अगरवाला** के जो उन्होंने राष्ट्र के ७०वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजा राममोहन राय सरणी (अम्हर्स्ट स्ट्रीट) स्थित सम्मेलन भवन में झंडोत्तोलन के बाद हुयी बैठक में व्यक्त किए। श्री अगरवाला ने सर्वप्रथम सबको इस पुनीत अवसर पर बधाई दी और कहा कि जिस प्रकार भी सम्भव हो, हमें सामाजिक, राष्ट्रीय कार्यों में योगदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज अमीर और गरीब के बीच एक गहरी आर्थिक खाई है जिसे पाटने के लिए हर सम्भव प्रयास करना हम सबका कर्त्तव्य है।

बैठक के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने उपस्थित सदस्यों के साथ उल्लासपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराया और राष्ट्र गान गाया गया। बैठक को संबोधित करते हुए सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने संगठन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि चाहे राष्ट्र की प्रगति की बात हो या समाज के सुधार की, संगठित होकर कार्य करने से सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री **श्री सत्यनारायण अग्रवाल** ने कहा कि ऐसे अवसर राष्ट्रीय भावना जागृत करते हैं और तन-मन-धन से देश के प्रति समर्पित होने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने सम्मेलन के गतिविधियों में युवा वर्ग के अधिकाधिक भागीदारी को जरूरी बताया।

सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री दिनेश कुमार जैन** ने कहा कि स्थानीय संस्थाओं से समन्वय रखना और उन्हें सम्मेलन की सम्बद्धता से जोड़ना एक बहुत अच्छी पहल है, संगठन के दृष्टिकोण से बहुत महत्त्वपूर्ण है। श्री जैन, जो सम्मेलन की रोजगार सहायता उपसमिति के चेयरमैन भी हैं, ने उपसमिति द्वारा दी जा रही सुविधाओं के अधिकाधिक उपयोग हेतु सदस्यों से अनुरोध किया।

सम्मेलन की पूर्व कोलकाता शाखा के अध्यक्ष **श्री सुदेश अग्रवाल** ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि सम्मेलन की गतिशीलता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि नारीशक्ति और युवाशक्ति को भी सम्मेलन के कार्यक्रमों से जोड़ना जरूरी है। श्री अग्रवाल ने पूर्व कोलकाता शाखा के सेवाकार्यों के विषय में भी संक्षेप में बताया।

श्री नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि संगठन को मजबूत कैसे किया जाए, इस विषय पर हमें विचार करना चाहिए और हर सम्भव प्रयास करना चाहिए।

सर्वश्री आत्माराम सोंथलिया, श्यामलाल डोकानिया, नंदलाल सिंघानिया, गोपाल अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, ओम लड़िया, प्रमोद गोयनका आदि ने भी अपने संक्षिप्त विचार रखे। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने बैठक का संचालन किया। इस अवसर पर **सर्वश्री गोपीराम धुवालिया, कैलाश परसरामपुरिया, रामनिवास शर्मा (चोटिया), सीताराम शर्मा, सतीश अग्रवाल, रामकिशोर लुहारीवाला, राजेश अग्रवाल, प्रवीण सिंघानिया, लक्ष्मण अग्रवाल** आदि उपस्थित थे। ★★★

FLAT 17% DISCOUNT ON ALL MEDICINES

DOWNLOAD
SastaSundar app
your healthbuddy

NOW AVAILABLE ON

FREE HOME DELIVERY*

*T&C Apply

SastaSundar.com | Call: 3080 3080

फोन: (०३३) ४००४ ४०८९

स्थापित १९३५

ई-मेल: aimf1935@gmail.com

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
ALL INDIA MARWARI FEDERATION

(Regd. under W.B. Societies Act XXVI of 1961)

४बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला), ४१, शेक्सपीयर सारणी, कोलकाता-७०० ०१७

4B, Duckback House (4th Floor) 41, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700 017

प्रमुख उद्देश्य
समाज सुधार, समरसता,
राजनैतिक चेतना एवं राष्ट्रीय एकता

राष्ट्रीय अध्यक्ष
प्रह्लाद राय अगरवाला
09830079111

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
संतोष सराफ
09830021319
सुरेन्द्र लाठ
09437488822
राज कुमार पुरोहित
09821243352
ओंकारमल अगरवाला
09435168368
कमल नोपानी
09431018530
अनिल कुमार जाजोदिया
09415201641

राष्ट्रीय महामंत्री
शिव कुमार लोहिया
09830553456

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
कैलाशपति तोदी
09830044079

राष्ट्रीय संगठन मंत्री
संजय हरलालका
09804154115

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री
दिनेश कुमार जैन
09831004542
दामोदर प्रसाद बिदावतका
09331015088

प्रादेशिक शाखा सम्मेलन
बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, उत्कल, पूर्वोत्तर, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु एवं कर्नाटक

सम्मेलन भवन
२५ए, राजा राममोहन राय सरणी
(अम्हर्स्ट स्ट्रीट)
कोलकाता-७०० ००९
फोन :(०३३) २३५० ९९२९

Contribution Exempted under 80G of I.Tax Act

अ.भा.मा.स./३४/२०१६-१७ ०३ सितम्बर २०१६

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन सभी सदस्यों की सेवा में

प्रिय सदस्य,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा शनिवार, २४ सितम्बर २०१६ को अपराह्न ४ बजे सम्मेलन कार्यालय सभागार (डकबैक हाउस, ४१ शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०० ०१७) में निम्नलिखित विषयों पर विचारार्थ आयोजित की गयी है।

सभा की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला करेंगे।

सभी सदस्य सादर आमंत्रित हैं।

भवदीय,

(शिव कुमार लोहिया)
राष्ट्रीय महामंत्री

विचारार्थ विषय:

१. महामंत्री की रपट।
२. पिछली बैठक का कार्यवृत्त पारित करना।
३. सम्मेलन के वित्तीय वर्ष २०१५-१६ के आय-व्यय का लेखा-जोखा तथा संतुलन पत्र, जो लेखा परीक्षकों द्वारा जाँचा गया है, को स्वीकृत करना।
४. सम्मेलन के वित्तीय वर्ष २०१५-१६ के क्रियाकलापों का प्रतिवेदन प्राप्त करना और उस पर चर्चा करना।
५. लेखा परीक्षक की नियुक्ति करना।

विशेष:

१. वार्षिक साधारण सभा की सूचना की प्रति सहित वित्तीय वर्ष २०१५-१६ का वार्षिक लेखा-जोखा तथा संतुलन पत्र एवं गत बैठक के कार्यवृत्त की प्रतियाँ केन्द्रीय एवं सभी प्रादेशिक सम्मेलनों के कार्यालय में उपलब्ध हैं, इच्छुक सदस्य वहाँ से प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसे सम्मेलन के वेबसाईट www.marwarisammelan.com पर भी देखा जा सकता है या ई-मेल लिखकर सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय से मंगवाया जा सकता है।

२. वित्तीय वर्ष २०१५-१६ के आय-व्यय के लेखा-जोखा के बारे में अगर किसी सदस्य को कोई जानकारी प्राप्त करनी हो तो कृपया १५ सितम्बर २०१६ तक लिखित तौर पर (सुविधानुसार पत्र या ईमेल द्वारा) केन्द्रीय सम्मेलन में भिजवाने का कष्ट करें।

पंजीकृत कार्यालय: १५२बी (दूसरा तल्ला), महात्मा गांधी रोड, कोलकाता - ७०० ००७
फैक्स/फोन : (०३३) २२६८ ०३१९

सम्मेलन द्वारा पश्चिम बंग के नवनिर्वाचित विधायकों का सम्मान

सेवा से सब संभवः विधायक कन्हैयालाल अग्रवाल
हर क्षेत्र में प्रगति का रहेगा प्रयासः विधायक वैशाली डालमिया

गत २७ अगस्त २०१६ को, हिन्दुस्तान क्लब, कोलकाता में एक भव्य समारोह आयोजित कर पश्चिम बंग से समाज के नवनिर्वाचित विधायकद्वय **सुश्री वैशाली डालमिया** एवं **श्री कन्हैयालाल अग्रवाल** का सम्मान अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा किया गया। ज्ञातव्य है कि अप्रैल-मई २०१६ में आयोजित पश्चिम बंग विधान सभा चुनाव में सुश्री डालमिया बाली (कोलकाता) से तृणमूल कांग्रेस एवं श्री अग्रवाल इस्लामपुर (जिला-उत्तरी दिनाजपुर) से कांग्रेस की टिकट पर निर्वाचित हुए थे।

अपने स्वागत वक्तव्य में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने कहा, "एक समय था जब मारवाड़ियों की पहचान व्यापारी मात्र की थी। खुशी की बात है कि आज हरेक क्षेत्र में हमारी नयी पीढ़ी आगे आ रही है। माननीय विधायकों सुश्री वैशाली डालमिया और श्री कन्हैयालाल अग्रवाल ने राजनीति में जो स्थान बनाया है, वह गर्व का विषय है और हमारे युवक-युवतियों के लिए प्रेरणास्पद है। विशेष बात यह है कि ये दोनों ऐसे क्षेत्रों से निर्वाचित हुए हैं, जहाँ समाज के लोग बहुत कम संख्या में हैं। इसका पूरा श्रेय इनकी मेहनत और लोकप्रियता को जाता है। मारवाड़ियों का यह गुण है कि वे जहाँ जाते हैं, वहाँ के होकर रह जाते हैं। इन विधायकों ने इसे सही साबित कर दिखाया है। हम जहाँ भी रहते हैं, वहाँ की प्रगति के लिए हमें साथ आकर कार्य करना है।"

समारोह के विशिष्ट अतिथि राज्य सभा सांसद **श्री विवेक गुप्त** ने नवनिर्वाचित विधायकों को बधाई देते हुए इस विषय पर हर्ष व्यक्त किया कि मारवाड़ी समाज के लोग पश्चिम बंग में जनप्रतिनिधि के रूप में चुनकर आ रहे हैं। उन्होंने उपस्थित समुदाय से इन विधायकों को सहयोग देने का आह्वान किया।

समारोह के प्रधान वक्ता सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने अपने उद्‌बोधन में कहा, "सम्मेलन गत कुछ वर्षो से राजनैतिक चेतना और सक्रियता बढ़ाने के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। राजनीति के क्षेत्र में सफलता हेतु यह जरूरी है कि सिर्फ अपने समाज से ही नहीं बल्कि सभी से मिलकर रहा जाए। हम जहाँ रहें, वहाँ की सभ्यता-संस्कृति को ईमानदारी से अपनाना आवश्यक है। हर्ष का विषय है कि हमारे समाज से ये विधायक चुनकर आए हैं। हमें इनका पूरा साथ देना चाहिए और इन्हें भी समाज से जुड़ना चाहिए, सम्पर्क हमेशा बना रहना चाहिए।"

श्री शर्मा ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में मारवाड़ी समाज की भूमिका का सविस्तार वर्णन किया। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि मारवाड़ी समाज अपने हीरो नहीं बनाता, उनकी कद्र नहीं करता और धन मात्र को ही महत्व देता है।

विधायक **सुश्री वैशाली डालमिया** ने अपने संबोधन में सम्मान एवं प्यार के लिए आभार प्रकट करते हुए कहा कि वे हर क्षेत्र में प्रगति हेतु यथासंभव प्रयत्न करेगी। उन्होंने अपने क्षेत्र में बिजली, स्वच्छता, महिलाओं हेतु सेल्फ-हेल्प कार्यक्रम आदि के विषय में बताते हुए सभी से सहयोग का अनुरोध किया।

विधायक **श्री कन्हैयालाल अग्रवाल** ने अपने वक्तव्य में राजनीति को सेवा का एक रास्ता बताया और कहा कि सेवा से सब कुछ संभव है। दया और सेवा को मारवाड़ियों की

समारोह को संबोधित करते विधायक श्री कन्हैयालाल अग्रवाल

स्वाभाविक प्रवृत्ति बताते हुए उन्होंने कहा कि वे **"परोपकाराय पुण्याय, पापाय परपीडनम्"** को अपना मूलमंत्र मानते हैं। श्री अग्रवाल ने कन्या-भ्रूण-हत्या को समाज की सबसे बड़ी कमजोरी बताया और सबसे अनुरोध किया कि इसके विरुद्ध जनमत तैयार करने का हर संभव प्रयास करें।

समारोह के दौरान दोनों विधायकों को शॉल, पगड़ी, पुष्पगुच्छ, पौधा एवं स्मृतिचिह्न आदि सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, निवर्तमान अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार, सांसद श्री विवेक गुप्त, उपाध्यक्ष श्री संतोष सराफ, श्री दीन दयाल गुप्ता और श्री ऋषि बागड़ी द्वारा भेंट किए गए।

विधायक सुश्री वैशाली डालमिया का शॉल ओढ़ाकर सम्मान करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री बिजय डोकानियाँ**, पूर्व कोलकाता शाखा के अध्यक्ष **श्री सुदेश अग्रवाल**, राजस्थानी महिला संगठन की अध्यक्षा **श्रीमती सरोज शाह**, पूर्व अध्यक्षा **श्रीमती पुष्पा गोयनका** एवं मंत्री **श्रीमती सुषमा दुगड़** ने भी दोनों विधायकों का सम्मान किया।

समारोह का संचालन करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने सम्मेलन के प्रमुख कार्यक्रमों के विषय में संक्षेप में बताया।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका** ने कहा कि आज दो विचारधारा वाली पार्टियों से जीतकर आये प्रतिनिधि सम्मेलन के मंच पर समाज के साथ हैं। यह इस बात का प्रत्यक्ष द्योतक है कि सामाजिक मंच पर हम सभी एकजुट हैं।

समारोह में सर्वसुश्री उर्मिला हरलालका, सुनीता जोगानी, सविता अग्रवाल, सर्वश्री कैलाशपति तोदी (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष), दिनेश कुमार जैन (राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री), दामोदर प्रसाद बिदावतका (राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री), अमित मूँधड़ा, शिव कुमार बागला, आत्माराम सोंथलिया, महेश कुमार नेवटिया, प्रवीण सिंघानिया, केशव चांडक, लखपति बाफना, आत्माराम लोधा, सांवरमल शर्मा, जगदीश चन्द्र एन. मूँधड़ा, सुभाषचन्द गोयनका, ताराचंद पाटोदिया, संदीप सेकसरिया, सुरेश अग्रवाल, गोविन्द अग्रवाल, हरिप्रसाद खेतावत, सम्पतमल बच्छावत, विश्वनाथ भुवालका, सत्यनारायण सोनी, अनिल द्रोलिया, संजय शर्मा, सत्यनारायण अग्रवाल, पी. के. लिल्हा, के.एल. अग्रवाल, त्रिलोक खेतावत, पवन जालान, अशोक कुमार गुप्ता, नरेन्द्र कुमार तुलस्यान, गिरीश दुजारी, काशी प्रसाद धेलिया, उमेश सराफ, गोपाल चन्द्र अग्रवाल, जयगोविन्द इन्दोरिया, रतनलाल अग्रवाल, प्रेमचंद सुरेलिया, राजेन्द्र राजा, संतोष रुँगटा, दिनेश कुमार अग्रवाल, बिनोद टेकरीवाल, सावरमल लोहिया, रवि लोहिया, ऐश्वर्य खेतावत, भंवरलाल गट्टानी, रामप्रसाद भालोटिया, नथमल भीमराजका, ओम लड़िया, सुरेन्द्र सिंह, सीताराम शर्मा, कमल कुमार सरावगी, डॉ. जुगल किशोर सराफ, सौरभ नोपानी, पी. गुप्ता, संजय मित्तल, जुगल किशोर जाजोदिया, रमेश पटेल, महेन्द्र कुमार पोद्दार, सीताराम बरासिया, श्यामलाल डोकानिया, राजकुमार काजरिया, नारायण प्रसाद अगरवाला, शिव कुमार अग्रवाल, जगदीश प्रसाद पाटोदिया, राधा किशन सफ्फड़, नवरतनमल सुराना, जयप्रकाश सेठिया, द्वारका प्रसाद गनेरीवाल, एम.पी. मानक्सिया, चम्पालाल सरावगी, राम कैलाश गोयनका, जे.पी. अग्रवाल, रामनिवास शर्मा (चोटिया), ओम प्रकाश अग्रवाल, बी.के. नाहटा, आनंद प्रकाश गुप्ता, सज्जन कुमार चौधरी, सुशील पोद्दार, बालकिशन गोयल, राजेन्द्र प्रसाद सुरेका, शंकरलाल सोमानी, कान्ति चन्द्र गोयनका, गोविन्द प्रसाद केजरीवाल, रतन लाल अग्रवाल, दिनेश कुमार जैन, सी.एस. सारडा, गोपाल अग्रवाल, नंदलाल सिंघानिया, रतनशाह, शरद श्रौफ, मधु गाड़ोदिया, बिपिन बजाज, महेश शाह, विश्वम्भर दयाल गर्ग, सुरेन्द्र अग्रवाल (केयाल), केशव किशोर शर्मा, प्रमोद गोयनका, विकास जैन, मनोज बजाज, संजीव कुमार केडिया, नंदकिशोर अग्रवाल, गोपी धुवालिया, भागीरथ चांडक आदि उपस्थित थे। ★★★

समारोह में उपस्थित महिलायें-पुरुष

With Best Compliments from:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head- office:
1 Gibson Lane, 2nd Floor
Suite- 211, Kolkata- 700069
Phone : 2210-3480,2210-3485
Fax: 2231-9221
E-mail : info@roadcargo.in

Branches & Associates :
Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore,
Bhubneswar, Cuttuck, Iccapuram, Vishakapatnam, Vijaywada,
Hyderabad, Chennai, Bangalore, Cochin, Gaziabad (U.P. Border), Indore

www.srei.com
Empowering Entrepreneurs to shape the future
Financing of equipment, new and old, across diverse sectors :
Infrastructure | Construction | Mining | Information Technology | Healthcare | Agriculture
SREI BNP PARIBAS
SREI
Holistic Infrastructure Institution
Infrastructure Equipment Finance | Project Finance, Advisory and Development | Venture Capital |
Capital Market | Sahaj e-Village | QUIPPO – Equipment Bank | Insurance Broking

AUM CAPITAL

YOUR TRUST IS OUR WEALTH

Products and Services

BONDS
- GOI Bond
- State Gtd Bond
- PSU Bond
- Corporate Bond

WEALTH MANAGEMENT
- Mutual Fund
- Fixed Deposit
- Tax Free Bond
- Deep Discount Bond

TRADE FINANCE
- Buyers Credit
- Suppliers Credit
- L/C Discounting

INSURANCE
- Corporate Broker
- Life Insurance
- General Insurance

BROKING
- Equity
- Commodity
- Currency
- IPO/FPO

LOAN SYNDICATION
- Project Finance
- Working Capital
- Infra Project
- Earth Moving Equipment

STRUCTURED FINANCE
- Loan Against Shares
- Loan Against Property
- Promoter Funding

REAL ESTATE ADVISORY
- Rental Income
- Property Broking
- Soft Launch

ADVISORY SERVICES
- Private Placement
- Brand Acquisition
- International Trade
- Duty Credit Scrip

AUM Capital Market Pvt. Ltd.

Trinity Building, Unit No. 6, 6th Floor, A.J.C. Bose Road, Kolkata - 700 020 • Ph.: +91 33 3058 8405

त्रैमासिक रपट (मई-जुलाई २०१६) प्रादेशिक सम्मेलनों से :

बिहार

दौरा : त्रैमास के दौरान प्रांतीय पदाधिकारियों द्वारा पटना, पटना सिटी, बौंसी, बांका, अमरपुर, मोहनियाँ, कुदरा, सासाराम, डेहरी, ननीनगर, औरंगाबाद, समस्तीपुर, शेसड़ा, हसनपुर, बखरी, जमालपुर गौगरी, खगड़िया, बेगूसराय, पूर्णिया और कसवा शाखाओं का दौरा किया गया। दौरों में प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला**, वरीय उपाध्यक्ष **श्री विनोद तोदी**, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष **प्रो. पवन कुमार पोद्दार**, प्रमंडलीय उपाध्यक्ष **श्री मातादीन अग्रवाल**, सहायक मंत्री **श्री अशोक भिवानीवाला**, संयुक्त महामंत्री **श्री नवीन टिबड़ेवाल**, शिक्षा प्रकोष्ठ के मंत्री **श्री योगेश तुलस्यान**, सदस्य **श्री सदानन्द अग्रवाल**, वरिष्ठ समाजसेवी **श्री लक्ष्मी नारायण डोकानिया** (भागलपुर), मगधू प्रमंडल के मंत्री **श्री राजकुमार पचेरीवाला** एवं **श्री राजेन्द्र अग्रवाल** ने भाग लिया।

चुनाव : इस अवधि में जमालपुर, मोहनियाँ, कुदरा, नवीनगर, औरंगाबाद, रोसड़ा, और अमरपुर शाखाओं के चुनाव हुए।

सदस्यता-विस्तार : त्रैमास के दौरान ५ संरक्षक एवं १५५ आजीवन नये सदस्य बने। इनसे संबंधित विवरण यथोचित राशि सहित केन्द्रीय कार्यालय को प्रेषित किए जा चुके हैं।

प्रादेशिक गतिविधियाँ

- १५ मई २०१६ : मुंगेर में **प्रादेशिक कार्यकारिणी की बैठक** एवं **मुंगेर प्रमण्डल का प्रमंडलीय अधिवेशन**। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री कमल नोपानी** एवं स्थानीय चार समाजसेवियों का सम्मान।
- ३ जुलाई २०१६ : पटना स्थित बिहार चैम्बर ऑफ कामर्स के साहू जैन हॉल में **प्रतिभा सम्मान समारोह** का आयोजन। **आचार्य चन्द्रभूषण मिश्र** द्वारा उद्घाटन, १४६ छात्र-छात्राओं का सम्मान। विशिष्ट स्थान प्राप्त करने वाले ७ विद्यार्थियों को चाँदी का मेडल एवं ३ को नगद पुरस्कार।
- १७ जुलाई २०१६ : सम्मेलन सभाकक्ष, पटना में प्रादेशिक स्थायी समिति की बैठक।
- २४ जुलाई २०१६ : राजस्थान भवन, पूर्णिया में **प्रादेशिक कार्यकारिणी की बैठक, प्रादेशिक सभा** एवं **पूर्णिया प्रमंडल का प्रमंडलीय अधिवेशन**। इस अवसर पर पाँच समाजसेवियों का भी सम्मान।
- ३१ जुलाई २०१६ : महाराणा प्रताप भवन, पटना में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री कमल नोपानी** के संयोजन में आडम्बर निवारण गोष्ठी का आयोजन। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** विशिष्ट अतिथि एवं पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री रतन शाह** मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित।

शाखा सम्मेलनों की गतिविधियाँ

- पटना : प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को भंडारा का आयोजन, प्रायः १५००-२००० लोगों को भोजन; छः स्थानों पर प्याऊ एवं तीन स्थानों पर वाटर कूलर मशीन द्वारा स्थाई पनशाला का संचालन।
- पटना सिटी : बिहार सम्मेलन की मासिक पत्रिका 'सम्मेलन संवाद' का नियमित प्रकाशन।
- आरा : पनशाला के माध्यम से जनसेवा।
- भागलपुर : मई और जुलाई महीने में निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं दवा वितरण का आयोजन। शीतल शुद्ध पेय जलस्रोत का संचालन।
- डेहरी : २० शौचालयों का निर्माण।

उत्कल

शिक्षा विकास ट्रस्ट एवं झलक का प्रकाशन : शिक्षा विकास ट्रस्ट का सुचारू संचालन; जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। प्रांतीय मुखपत्र झलक का प्रकाशन नियमित रूप से।

सदस्यता-विस्तार : इस अवधि में ६३ आजीवन, २ विशिष्ट एवं २४२ साधारण सदस्यों का शुल्क केन्द्रीय कार्यालय को प्रेषित किया गया।

शाखा सम्मेलनों की गतिविधियाँ

- **महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन** : २८ फरवरी २०१६ को रायगड़ा शाखा में आयोजित राज्य परिषद सभा में पारित प्रस्ताव के अनुसार उत्कल प्रान्त की रूपरारोड़, बलांगीर, पाइकमाल, सोहेला एवं टिटिलागड़ शाखाओं ने कार्यक्रम आयोजित किए।
- **नवनिर्वाचित राज्य सभा सांसदो का अभिनन्दन** : बरगड़, मुनीगुड़ा तथा रायगड़ा शाखा द्वारा अपने अंचल से राज्य सभा के लिये नवनिर्वाचित सांसदो का सम्मान किया गया।
- झारसुगुड़ा शाखा द्वारा अपोलो हॉस्पिटल के साथ मिलकर एक वृहत निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें चिकित्सा के साथ-साथ रक्त परीक्षण एवं अन्य जाँच भी निशुल्क किये गये।
- सम्बलपुर शाखा द्वारा महाराणा प्रताप जयन्ती

समारोह आयोजित किया गया।

- लोककवि पद्‌मश्री हलधर नागजी का सम्मान कांटाभांजी, बलांगीर एवं बरगड़ शाखा द्वारा किया गया।
- कटक एवं झारसुगुड़ा शाखा द्वारा स्थायी एवं अस्थायी प्याऊ का लोकार्पण। कटक शाखा द्वारा पशु पेयजल सेवा प्रदान।
- बलांगीर एवं झारसुगुड़ा शाखा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।
- पवित्र शीतल षष्ठी के दौरान बलांगीर शाखा द्वारा अन्न एवं जल वितरण किया गया।
- ढेकालान शाखा में आयोजित राज्य कार्यकारिणी सभा में पारित प्रस्ताव अनुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन करने वाली शाखाएँ हैंः- खरियार रोड़, कुचिन्डा, टिटिलागड़, सम्बलपुर, अनुगुल, बरगड़, झाररसुगुड़ा, बरबिल, केन्दुझर, लोईसींघा एवं रूपरारोड़।
- पवित्र श्रावण महीने में टिटिलागड़, कटक शाखा द्वारा कावरियाँ सेवा शिविर का आयोजन, टिटिलागड़ शाखा द्वारा शहर के समाजबन्धुओं के साथ वनभोज का आयोजन।

दिल्ली

दौरा : प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** एवं महामंत्री **श्री राज कुमार मिश्रा** ने त्रैमास के दौरान पूर्वी दिल्ली के ४ और फरीदाबाद के ३ दौरे किए।

नयी शाखा : १२ जून २०१६ को फरीदाबाद में नई शाखा का गठन एवं शाखा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी द्वारा शपथग्रहण।

सदस्यता-विस्तार : इस अवधि में २८ नये आजीवन सदस्य बने। केन्द्रीय कार्यालय में इनके पंजीकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

प्रादेशिक बैठक : आई.टी.ओ., दिल्ली स्थित अणुव्रत भवन में ७ मई २०१६ को प्रादेशिक कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त १० जून २०१६ को चुनाव पर चर्चा हेतु एक बैठक आयोजित की गई।

शाखा सम्मेलनों की गतिविधियाँ

- १ मई २०१६ : पूर्वी दिल्ली शाखा की बैठक।
- १ जून २०१६ : पूर्वी दिल्ली शाखा की बैठक।
- २६ जून २०१६ : पूर्वी दिल्ली शाखा की बैठक एवं भण्डारा का आयोजन।
- १३ जुलाई २०१६ : फरीदाबाद शाखा की कार्यकारिणी की बैठक।
- २८ जुलाई २०१६ : फरीदाबाद शाखा की बैठक।
- ३१ जुलाई २०१६ : पूर्वी दिल्ली शाखा द्वारा मोटिवेशनल सेमिनार का आयोजन।

समाचार प्रादेशिक सम्मेलनों से : पश्चिम बंग

पूर्व कोलकाता शाखा की शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणादायी पहल

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से सम्बद्ध पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की पूर्व कोलकाता शाखा द्वारा कक्षा १ से १० तक के २५ जरूरतमंद बच्चों को अद्‌भुत तरीके से शिक्षा उपलब्ध करवाई जा रही है। सम्मेलन के बांगुड़ स्थित वातानुकूलित निजी स्थान पर इन सभी बच्चों को निःशुल्क शिक्षा के साथ-साथ कॉपियाँ, किताबें, पेन, पेन्सिल तो दी ही जा रही हैं, इसके अलावा प्रत्येक शनिवार को चित्रकारी की कक्षा भी चलती है। इसकी जानकारी देते हुए शाखा के अध्यक्ष **श्री सुदेश अग्रवाल** ने बताया कि यहाँ पढ़ाने वाली सभी महिलाएँ मारवाड़ी समाज की हैं, जो निःशुल्क सेवाएँ दे रही है। उन्होने बताया कि **सर्वसुश्री राधिका अग्रवाल, कविता सेठिया, अनिता सेठिया, सरिता खेमानी, शशि लाहोटी, संगीता** आदि समाज की इन संभ्रान्त महिलाओं ने इस सत्कार्य में कदम बढ़ाकर एक उदाहरण पेश किया है। इससे एक ओर जहाँ वे सेवा कार्य से जुड़ गई तथा उनके समय का सही सदुपयोग हो रहा है, वहीं बच्चों को घरेलू माहौल में पढ़ाई करने का मौका मिल रहा है। ★★★

मारवाड़ी : बंगाल की राजनीति में १९७७ से आज तक कोई मारवाड़ी मंत्री नहीं

– सीताराम शर्मा

हाल ही में (२७ अगस्त) अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिये नव-निर्वाचित विधायकद्वय **सुश्री वैशाली डालमिया** (तृणमूल कांग्रेस) एवं **श्री कन्हैयालाल अग्रवाल** (कांग्रेस) का स्वागत किया। मेरे अध्यक्षीय कार्यकाल (२००६-२००८) में राजनैतिक चेतना का कार्यक्रम **'कोषाध्यक्ष नहीं, अध्यक्ष बनो'** के नारे के साथ लिया गया था। विभिन्न प्रांतो में मारवाड़ी राजनैतिक कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किये गये। यह दिलचस्प संयोग है कि कोलकाता में आयोजित प्रथम मारवाड़ी राजनैतिक कार्यकर्ता सम्मेलन (१५ अप्रैल २००७) के मुख्य अतिथि दैनिक 'सन्मार्ग' के यशस्वी सम्पादक **श्री रामअवतार गुप्त** थे, और उनके पौत्र 'सन्मार्ग' के सम्पादक **श्री विवेक गुप्त** जो उक्त कार्यक्रम मे विशिष्ट अतिथि थे, भारत की संसद (राज्य सभा) के सम्मानित सदस्य हैं। मारवाड़ी समाज की पश्चिम बंगाल की राजनीति में स्थिति की एक दिलचस्प कहानी है।

१५ अप्रैल २००७ को आयोजित राजनैतिक कार्यकर्ता सम्मेलन में सांसद श्री संतोष बागड़ोदिया (बाये) एवं श्री रामअवतार गुप्त।

● भारत सरकार अधिनियम – १९१९ के अन्तर्गत पहली बार दिसम्बर १९२० में बंगाल में आम चुनाव हुआ।

● बंगाल विधान परिषद का पहला अधिवेशन १ फरवरी १९२१ को टाउन हॉल में हुआ। ९ फरवरी १९३१ को वर्तमान विधान सभा का उद्‌घाटन हुआ। जिसके निर्माण में उस समय २७ लाख ८० हजार रुपये खर्च हुए थे।

● बंगाल विधान परिषद में निर्वाचित एवं अन्य सदस्य मिलाकर कुल संख्या १४० थी। Land Holders Constituency में बंगाल मारवाड़ी एसोसियेशन का प्रतिनिधिध्व था – इसके अन्तर्गत १९२१ के चुनाव में बाबू केशोराम पोद्दार का निर्वाचन हुआ - बंगाल की राजनीति में श्री पोद्दार को मारवाड़ी समाज का पहला राजनैतिक प्रतिनिधि कहा जा सकता है।

इसी परिषद में प्रथम मनोनीत श्रेणी में, मारवाड़ियों में बाबू घनश्याम दास बिड़ला और बाबू देवीप्रसाद खेतान का नाम आता है।

● १९२४ की द्वितीय बंगाल विधान परिषद में बंगाल मारवाड़ी एसोसियेशन की ओर से बाबू बद्रीदास गोयनका निर्वाचित हुए एवं मनोनीत सदस्यो में बाबू देवीप्रसाद खेतान को पुनः मनोनीत किया गया।

● सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि १९२७ मे तीसरी विधान परिषद में कलकत्ता उत्तर पश्चिम क्षेत्र के आम चुनाव में बाबू प्रभुदयाल हिम्मतसिंहका विजयी हुये — आम चुनाव में बंगाल में किसी मारवाड़ी की यह पहली विजय थी। उस समय भी आम चुनाव में बड़ी लड़ाई होती थी। द्वितीय विधान परिषद के चुनाव में डॉ. बिधान चन्द्र राय ने सर सुरेन्द्रनाथ बनर्जी, जिन्हे भारतीय राष्ट्रीयता का पिता कहा जाता था, को ३ हजार से ज्यादा मतों से पराजित किया।

● १९४७ में स्वतंत्रता के उपरान्त - पश्चिम बंगाल विधान सभा की पहली बैठक २१ नवम्बर १९४७ को हुयी जिसमें मारवाड़ी सम्मेलन के प्रणेता ईश्वर दास जालान को विधान सभा का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। उस समय विधान सभा के सदस्यों की संख्या ९० थी।

● स्वतंत्रता के बाद प्रथम आम चुनाव १९५२ में लोकसभा और पश्चिम बंगाल विधान सभा के हुए। १९५२ के प्रथम आम चुनाव में पश्चिम बंगाल के नानुर निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस अम्मीदवार के रूप मे बसन्त लाल मुरारका, बड़ाबाजार से ईश्वर दास जालान, कोलुटोला से आनन्दी लाल पोद्दार, विधायक निर्वाचित हुए। बंगाल-बिहार Transfer of Tenancy Act के अन्तर्गत इस्लामपुर से रंतमल अग्रवाल

को १९५६ में पश्चिम बंगाल विधान सभा के सदस्य के रूप में मान्यता प्राप्त हुयी। इस तरह स्वतंत्रता के उपरान्त प्रथम विधान सभा में ४ मारवाड़ी विधायक निर्वाचित हुए। १९५२ में ही ५१ सदस्यों की विधान परिषद में विजय सिंह नाहर एवं पन्नालाल सरावगी दो सदस्य निर्वाचित हुए। इस तरह एम.एल.ए. और एम.एल.सी मिलाकर ६ मारवाड़ी विधायक पश्चिम बंगाल में निर्वाचित हुए।

१९५२ के प्रथम लोकसभा चुनाव में मारवाड़ी समाज से कोई विजयी नहीं हुआ। कलकत्ता उत्तर पश्चिम से प्रभुदयाल हिम्मतसिंहका कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े, जिन्हें स्वतंत्र उम्मीदवार डॉ. मेघनाथ साहा ने पराजित किया।

पश्चिम बंगाल की १९५२ की पहली बिधान चन्द्र राय की सरकार में, एकमात्र ईश्वर दास जालान Local Self Govt. विभाग के केबिनेट मंत्री थे। इस तरह जालान जी को बंगाल का प्रथम मारवाड़ी मंत्री कहा जा सकता है। बंगाल मे मारवाड़ी मंत्री के सम्बन्ध मे एक रोचक कहानी है।

१९५७ के विधान सभा चुनाव के समय तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. प्रफुल्ल चन्द्र घोष ने एक विस्फोटक रहस्योद्घाटन किया कि स्वतंत्रता के कुछ महीने पहले ३० जून १९४७ को गांधीजी ने प्रफुल्ल घोष को एक पत्र लिखकर एक मारवाड़ी को पश्चिम बंगाल मंत्रीमंडल में शामिल करने को कहा था – पत्र में लिखा था, "सरदार वल्लभ भाई पटेल ने मुझे एक संदेश भिजवाया है कि आपके मंत्रीमंडल में एक मारवाड़ी होना चाहिये – बद्रीदास गोयनका या खेतान। मुझे लगता है कि यह करना उचित होगा, नहीं करना अनुचित होगा -- महात्मा गांधी।

लेकिन इस पत्र के बावजूद डॉ. प्रफुल्ल चन्द्र घोष ने १५ अगस्त १९४७ को गठित अपनी सरकार मे किसी मारवाड़ी को स्थान नहीं दिया। १९४८ में २३ जनवरी की एवं तत्पश्चात् ११ अक्टूबर १९५१ को गठित बिधान चंद्र राय की दोनों सरकारों में भी किसी मारवाड़ी को प्रतिनिधित्व नहीं मिला। १९५२ में ही प्रथम मंत्रीमंडल में ईश्वर दास जालान मंत्री बने।

जहाँ तक मारवाड़ी मंत्रियो की बात है – १९७२ से ७७ तक रामकृष्ण सरावगी, सिद्धार्थ शंकर राय की सरकार में मंत्री रहे – जून १९७७ के बाद गत प्रायः ४० वर्षो में कोई मारवाड़ी मंत्री पश्चिम बंगाल में नहीं रहा है। स्वतंत्रता के बाद गत प्रायः ७० वर्षो में केवल ४ राजनेता – ईश्वर दास जालान (१९५२-६७) विजय सिंह नाहर (१८६८-९७), राजेन्द्र सिंह सिंघी (१९६८), रामकृष्ण सरावगी (१९७२-७७) मंत्री पद पर रहे हैं। ३४ वर्षो की बामपंथी सरकार एवं गत ५-६ वर्षो की ममता सरकार में किसी मारवाड़ी को सरकार में प्रतिनिधित्व प्राप्त नहीं हुआ है। हालाँकि उक्त मंत्रियों के अतिरिक्त सर्वश्री आनन्दी लाल पोद्दार, बद्री प्रसाद पोद्दार, राजेन्द्र पोद्दार, देवकी नन्दन पोद्दार, राजेश खेतान, सत्यनारायण बजाज, दिनेश बजाज, विधायक (एम.एल.ए.) रहे और १९६९ मे विधान परिषद (अपर हाऊस) के भंग होने के पहले तक सर्वश्री पन्नालाल सरावगी, रामकुमार भुवालका, बद्रीप्रसाद पोद्दार, गजानन्द खेतान, किशोरी लाल ढांढनिया, धर्मचन्द सरावगी और गोविन्द लाल सरावगी विधायक (एम.एल.सी.) रहे। लेकिन इनमे से किसी को भी मंत्री बनने का सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ।

(लेखक सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, वरिष्ठ पत्रकार-लेखक एवं समाजचिंतक हैं।)

आदर्श, प्रेरणादायी, अनुकरणीय विवाह समारोह

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **स्व. नंदकिशोर जालान** के सुपुत्र **श्री पवन जालान** ने अपने सुपुत्र **श्री रोहिताश्व जालान** का विवाह सुश्री साक्षी के साथ अत्यंत सादे एवं आडम्बरहीन ढंग से कराया। ज्ञातव्य है कि गत ७ जुलाई २०१६ को साल्ट लेक, कोलकाता में यह **दाम्पत्य-सूत्र बंधन समारोह दिन में ही** आयोजित किया गया। इस आयोजन हेतु **निमंत्रण-पत्र भी नहीं छपवाये गए, निमंत्रण वाट्स अप और एस.एम.एस. के माध्यम** से ही दिया गया। सम्मेलन श्री जालान की पहल का स्वागत-अभिनंदन करता है एवं उन्हें साधुवाद देता है। उन्होंने समाज के लिए एक अनुकरणीय एवं प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है।

सम्मेलन परिवार चिरंजीवी रोहिताश्व एवं आयुष्मती साक्षी के सफल सुदीर्घ दाम्पत्य जीवन की मंगलकामना करते हुए अनुरोध करता है कि सभी समाजबन्धु मांगलिक अवसरों पर आडम्बर निवारण का हर संभव प्रयत्न करें! ★ ★ ★

ANMOL®
The Right Bite
BISCUITS

Even before
"Good morning"
we are the first thing on
a million lips every day.

Enjoy fresh-baked goodness.

www.anmolbiscuits.com

L&K | SAATCHI & SAATCHI

300 RESIDENTIAL COMPLEX

Parnasree Green

Actual View

THE PREMIUM LIFESTYLE AWAITS YOU.

After the successful completion of the Parnasree Green Phase I, SKDJ Group now launches the PG Height (Phase II).

The biggest jewel in the crown of Parnasree Green the Phase II shall consist over 90 Premium Residences spread across 10+ storeys with various modern amenities. Located on the 60 feet wide, prominent Upendra Nath Banerjee Road it shall be the Largest Complex with State-of-the-art security in Parnasree.

Close to New Alipore, Parnasree Green Phase II is well connected to Schools, Hospitals, Metro and Multiplexes etc. with public transport facilities right at the doorstep.

Swimming Pool | Community Hall | Indoor Games
Multi-gym | Children's Play Area | Jogger's Track

Marketed By
SOMANI REALTORS™
Home for All

Developed By
SKDJ Group

Contact us:
033 6459 5959
97 4848 5858

कृष्णं वंदे जगद्गुरुम्!

– **शिव कुमार लोहिया**, राष्ट्रीय महामंत्री

भगवान कृष्ण ने दुष्कर्मियों का विनाश के धर्म का अभ्युदय एवं संस्थापना के लिये अवतार लिया था। पृथ्वी पर अपने जीवन से उन्होंने आदर्श स्थापित किया। जिन सिद्धांतों का उन्होंने पालन किया, उन्हीं की शिक्षा दी। जीवन भर निष्काम कर्मयोगी की तरह वे विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में जगत के कल्याण के लिये मुस्कुराते हुए मनसा वाचा कर्मणा प्रयत्नशील रहे। उनके विषय में कहा गया है –

वासुदेव सुतम देवम् कंस चानुर मर्दनम्
देवकी परमानंद कृष्णं वंदे जगद्गुरुम्।।

इस श्लोक में कृष्ण को जगद्गुरु की संज्ञा दी गई है। गुरु के ग का अर्थ है अंधकार एवं र का मतलब है दूर हटाना। जो अंधकार को दूर भगाता है वह गुरु है। अपने जीवन में प्रथम से ही कृष्ण ने अंधकार को हटाने का काम किया। माता देवकी को कंस के हाथों अपने सात संतानों के मरने का दुःख था। कारागार में उन्होंने माता देवकी के सामने अपने सम्पूर्ण वैभव सहित विष्णुरूप को प्रकट किया। उन्होंने कंस एवं अन्यों का वध किया। गोवर्धन पर्वत धारण कर इन्द्र का दंभ चूर किया। वाणासुर एवं अन्य विरोधी राजाओं को परास्त किया। कंस के संहार के पश्चात् स्वयं राजा न बनकर उग्रसेन को चुना। अपने अधीन सभी की रक्षा की। इन्द्रप्रस्थ में युधिष्ठिर द्वारा आयोजित यज्ञ में कृष्ण को आमंत्रित करने पर जब शिशुपाल ने आपत्ति जताई तो भीष्म ने कृष्ण के विषय में ये बातें कहीं - **वेदों के ज्ञाता, चतुर विद्वान, योद्धा, सरल, यशस्वी, बुद्धिमान, आकर्षक व्यक्तित्व, उन्नत, स्थिर, सकारात्मक एवं उज्ज्वल है। उनमें सद्गुण भरे हुए हैं एवं माता पिता की तरह श्रद्धेय अग्रज हैं। वे सम्मानीय एवं पूज्यनीय गुरु हैं।** परिस्थितियों से मुकाबले में लचीलापन, नेतृत्व की अद्भुत क्षमता एवं आगे बढ़ने के लिए त्याग करने की विद्या में पारंगत थे। उनके जीवन से हम बहुत कुछ सीख कर अपने जीवन में उतार सकते हैं, यथा –

१. **सदैव मुस्कराते रहो -** परिस्थिति अनुकूल हो या प्रतिकूल सदा सम रहो एवं मुस्कराते रहो।

२. **सदैव सत्य, न्याय एवं अच्छाई का पक्ष लो –** किसी का पक्ष या विपक्ष संबंधों के हिसाब से तय नहीं होना चाहिए। महाभारत के युद्ध में दुर्योधन एवं अर्जुन को बराबर का अवसर दिया। अर्जुन ने कृष्ण को चुना एवं दुर्योधन ने उनकी सेना को।

३. **जीवन को भरपूर जीओ –** प्रारम्भ से ही वे क्रियाशील रहे एवं भरपूर जीवन जीया। उनके आचरण के अनुसार बचपन में उनका नाम नटखट, माखनचोर, गोपाल आदि पड़ा। सारे ग्वाल बाल को एक साथ रखकर पूरे गोकुल में धूम मचाकर रखते थे। अपने जीवन से उन्होंने शिक्षा दी है कि जीवन में उदासी एवं दुःख का कोई स्थान नहीं है।

४. **सबको समान स्नेह करो –** सभी गोपियों के साथ वे समान स्नेह रखते थे। रासलीला में वे सभी गोपियों के साथ नृत्य करते। जैसे ही किसी गोपिका के मन में यह भाव उत्पन्न होता कि कृष्ण मुझे अधिक स्नेह करते हैं, वे उस गोपिका के सामने से ओझल हो जाते।

५. **अपने मित्रों को कभी न भूलो –** सुदामा जैसे मित्र को वे नहीं भूले। समय आने पर सबों से प्रेम का आदान-प्रदान किया।

६. **आगे बढ़ते रहो –** पहले कर्त्तव्य, संबंध बाद में। बाल्यकाल में गोकुल में अनेक लीलाएँ कीं। कर्त्तव्य की पुकार पर उन्होंने गोकुल एवं राधा को छोड़ना श्रेयस्कर समझा। मथुरा में भी कंस का वध करके वे आगे बढ़ गये।

७. **सदैव सहज एवं सरल रहो –** युधिष्ठिर के यज्ञ में उन्होंने पत्तल उठाने का काम किया। महाभारत में अर्जुन का सारथी होना स्वीकार किया।

८. **शारीरिक बल के साथ बुद्धि, कुशलता एवं चातुर्य अति महत्वपूर्ण हैं –** महाभारत में अनेकों बार श्रीकृष्ण ने अपने कौशल एवं चातुर्य से पांडवों की रक्षा की। भीष्म पितामह के साथ अर्जुन के युद्ध के समय उन्होंने बीच में शिखंडी को खड़ा कर दिया। क्योंकि उन्हें मालूम था कि भीष्म हिजड़े पर वार नहीं करेंगे। इधर अर्जुन ने अपने वाणों से भीष्म को भेदकर धाराशायी कर दिया। अभिमन्यु के वध के बाद अर्जुन ने प्रतिज्ञा की कि सूर्यास्त के पहले वह जयद्रथ का वध करेगा। कृष्ण ने अपने कौशल से सूर्यग्रहण करवा दिया। जयद्रथ ने सोचा सूर्यास्त हो गया है। छिपने के स्थान से वह बाहर निकल आया। अर्जुन ने उसका वध कर दिया।

९. **कर्म ही पूजा है –** अपने जीवन एवं उपदेश के माध्यम से उन्होंने स्थापित किया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म के अनुसार कर्म करते रहना चाहिए।

१०. **वैराग्य साधन करो –** जीवन में सदैव निर्लिप्त अवस्था में रहो। उन्हें जब समझ में आया कि यदुवंशी अत्याचारी एवं व्यभिचारी हो गए हैं, तो उनका नाश करवा दिया।

भगवान मानकर कृष्ण की पूजा तो हम करते हैं, उनके गुणों की महत्ता की अनदेखी कर देते हैं। श्रीकृष्ण के बताए एवं चले हुए मार्ग एवं सिद्धांत को हम अपनायेंगे, तभी स्वयं का जीवन सफल कर पायेंगे। **कृष्ण एक चेतना, एक ज्ञान हैं जिनका हमारे जीवन में उदय होने से हमारा अज्ञान, जड़ता एवं नकारात्मकता समाप्त हो जाती है।** अहंकार रूपी "मैं" एवं "मेरा" के बंधन का भाव भंग हो जाता है। जाति, धर्म, संबंध एवं अन्य कुंठाओं के कारागृह से हम मुक्त हो जाते हैं। कृष्ण के जीवन से हमें यह पता चलता है कि वे सृष्टि के सफलतम राजनीतिज्ञ, प्रवीणतम कूटनीतिज्ञ, सत्य के सारथी, सर्वोत्तम ज्ञानी एवं शिक्षक, सर्वश्रेष्ठ प्रेमी, भक्तवत्सल एवं सर्वश्रेष्ठ योगी थे। ★★★

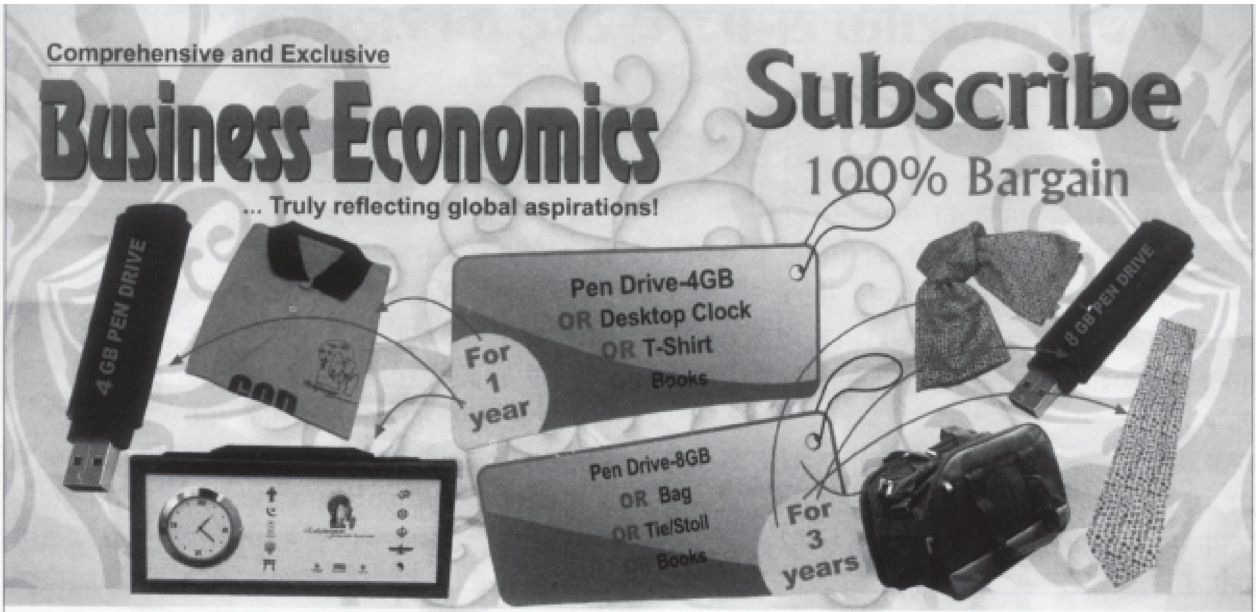

Subscribe **Business Economics** :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | For 3 years Books of choice upto ₹ 1440

Business Economics

Subscription Form

Name : Mr./Ms.__________

Address : __________

__________ City/District: __________

State: __________ Country: __________ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : __________ Mobile : __________ Landline : __________ STD CODE

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No.__________ dated: __________ for Rs.__________ drawn on: __________

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: __________ date: __________

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai** : Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima** : Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखाओं एवं सदस्यों से पुरस्कारों हेतु मनोनयन का अनुरोध

रामनिवास आशारानी लाखोटिया राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं दिल्ली की समाजसेवी संस्था 'रामनिवास आशारानी लाखोटिया ट्रस्ट' के संयुक्त तत्वाधान में राजस्थानी मूल के एक व्यक्ति को समाज के प्रति विशिष्ट योगदान हेतु सम्मानित करने के लिए इस सम्मान की स्थापना की गयी है। यह सम्मान सम्मेलन के ८२वें स्थापना दिवस, २५ दिसम्बर २०१६, के अवसर पर प्रदान किया जाएगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं १,००,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

सीताराम रूँगटा राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व उपाध्यक्ष एवं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष स्व. सीताराम रूँगटा की स्मृति में राजस्थानी भाषा की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु राजस्थानी साहित्यकारों को देने के लिए इस सम्मान की स्थापना की गई है। यह सम्मान सम्मेलन के ८२वें स्थापना दिवस, २५ दिसम्बर २०१६, के अवसर पर प्रदान किया जायेगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं २१,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी स्व. केदारनाथ कानोड़िया एवं उनकी धर्मपत्नी स्व. भागीरथी देवी की स्मृति में राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु इस सम्मान की स्थापना की गयी है। यह सम्मान सम्मेलन के ८२वें स्थापना दिवस, २५ दिसम्बर २०१६, के अवसर पर प्रदान किया जायेगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं २१,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखा सभाओं एवं सदस्यों से उक्त सम्मानों हेतु उपयुक्त व्यक्ति/संस्था का नाम प्रस्तावित कर केन्द्रीय कार्यालय [४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-७०० ०१७; दूरभाष : (०३३) ४००४४०८९; ई-मेल : aimf1935@gmail.com] को ३० सितम्बर २०१६ तक भेजने का सादर अनुरोध है।

समाचार प्रादेशिक सम्मेलनों से : पूर्वोत्तर

सम्मेलन की नगांव शाखा का आडम्बर-विरोधी प्रेरणादायी कदम

गत २१ अगस्त २०१६ को **श्री जुगल किशोर अग्रवाल** की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन की नगांव (असम) शाखा की कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर सामाजिक अवसरों एवं समारोहों में खाने-पीने के वस्तुओं की अधिकतम सीमा २५ तय की गई। समाज के सभी सदस्यों से भोजन की बर्बादी रोकने का भी अनुरोध किया गया। दो हजार से अधिक एस.एम.एस. भेजकर सम्मेलन के इस निर्णय की सूचना समाज के सभी सदस्यों को दी गई। सम्मेलन के इस निडर और साहसी कदम को समाज के हर वर्ग द्वारा सराहा गया है और सबका समर्थन मिल रहा है।

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने शाखाध्यक्ष श्री जुगल किशोर अग्रवाल को भेजे एक संदेश में कहा, "नगांव सम्मेलन ने समाज के समक्ष एक उदाहरण प्रस्तुत किया है" और नगांव शाखा के सभी सदस्यों को धन्यवाद प्रेषित किया है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री ओंकारमल अगरवाला** ने नगांव शाखा को बधाई देते हुए इसे एक "क्रांतिकारी एवं महान सुधारवादी कदम" कहा है। पूर्वोत्तर प्रादेशिक सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री मधुसूदन सीकारिया** ने भी नगांव शाखा के निर्णय की बहुत प्रशंसा की है और इसे दूसरे शाखाओं के लिए प्रेरणाप्रद बताया है।

प्रेरक प्रसंग

प्रार्थना का प्रभाव

बड़ौदा के एक प्रसिद्ध हृदय विशेषज्ञ सर्जन की आपबीती है। वे लिखते हैं :- एक दिन मेरे पास एक दम्पति अपनी छः साल की बच्ची को लेकर आये। निरीक्षण के बाद पता चला कि उसके हृदय की धमनियाँ अवरुद्ध हो चुकी हैं। विशेषज्ञों के टीम ने आपस में सलाह करके उस दम्पति को यह बता देना उचित समझा कि हृदय की ओपन सर्जरी के बाद भी उस बच्ची के जीवित रहने की आशा पचास प्रतिशत है। अन्यथा वह तीन महीने से अधिक शायद ही जीवित रह सके। माता-पिता भावुक होकर बोले कि वे सर्जरी का चांस लेंगे।

बच्ची को सर्जरी के पाँच दिन पहले अस्पताल में दाखिल कर लिया गया। बच्ची की माँ का प्रार्थना में अटूट विश्वास था। वह सुबह-शाम बच्ची को यही कहती थी कि तुम्हारे हृदय में भगवान का निवास है, वह तुम्हें कुछ नहीं होने देंगे। सर्जरी के दिन मैंने उस बच्ची से कहा कि चिंता मत करो। ऑपरेशन के बाद तुम बिल्कुल ठीक हो जाओगी। बच्ची ने कहा, 'डॉक्टर, मुझे जरा भी चिंता नहीं, क्योंकि मैं जानती हूँ कि मेरे हृदय में भगवान रहते हैं। ऑपरेशन के वक्त आप जब मेरा हृदय खोलोगे तब देखना कि भगवान कैसे दिखते हैं और मुझे भी बताना।'

ऑपरेशन के दौरान मुझे और अन्य डॉक्टरों को यह पता चल गया कि बच्ची के हृदय की हालत खराब है, उसे बचाना असंभव है क्योंकि हृदय में अवरूद्ध धमनियों से एक बूँद भी खून नहीं आ रहा था। निराश होकर मैंने डॉक्टरों से वापस सिलाई करने को कह दिया। तभी मुझे उस बच्ची की आखिरी बात याद आई। खून से सने अपने हाथों को जोड़कर प्रार्थना करने लगा कि हे ईश्वर मेरा सारा अनुभव इस बच्ची को बचाने में असमर्थ है, पर यदि आप इसके हृदय में विराजमान हैं तो आप ही कुछ कीजिए। यह मेरी पहली अश्रुपूर्ण प्रार्थना थी। इसी बीच मेरे सहायक सर्जन ने मुझे हल्के से कोहनी मारी। मैं चमत्कार में विश्वास नहीं करता हूँ मगर मैं यह देखकर स्तब्ध रह गया कि उसके हृदय में धमनियों से खून आना शुरू हो गया था। मेरे दीर्घकाल के कैरियर में ऐसा पहली बार हुआ था।

ऑपरेशन सफल हो गया। मेरा जीवन भी बदल गया। मैंने ऑपरेशन के उपरांत बच्ची से कहा कि भगवान को देखने की कोशिश मत करना, वह दिखायी नहीं पड़ता है मगर उसे अनुभव जरूर किया जा सकता है। इस घटना के बाद मैंने अपने ऑपरेशन थियेटर में नियम से प्रार्थना करना शुरू कर दिया।' यह घटना अकेली नहीं है। हजारों डॉक्टर और सर्जन, लाखों रोगी और आम आदमी घोर कष्ट और पीड़ा की स्थिति में प्रार्थना करते हैं तब उन्हें उसका प्रभाव भी महसूस होता है। कोई माने अथवा नहीं माने, प्रार्थना और दुआ में दवा से भी ज्यादा असर होता है।

('रिलीफ' से साभार)

कहाँ हो रही है गलती?

एक बार श्वान और गधे में शर्त लगी कि जो दौड़ कर पहले पहुँचेगा वो सत्ता के सिंहासन पर बैठकर राज़ करेगा।

दौड़ शुरू हुई। श्वान खुश था। उसने सोचा वो तो तेज़ दोडता है, गधे को तो यूँ ही हरा देगा।

पर उसे क्या मालूम था कि हर एक मुहल्ले, चौक पर बहुत से श्वान हैं ओर वो उसे आगे जाने ही नही देंगे!

और हुआ भी ऐसा ही। हर चौक पर स्थानीय श्वानों ने उस पर जानलेवा हमला किया। वो बहुत से श्वानों से लड़ता हुआ जैसे-तैसे पहुँच गया। लेकिन वहाँ जाकर देखा कि गधा सत्ता के सिंहासन पर बैठकर राज़ कर रहा है। हताश घायल श्वान बोला, "काश **मेरी ही बिरादरी वाले मुझसे लड़े** न होते तो ये गधा इस सिंहासन तक कभी नहीं पहुँच पाता।"

जरा सोचिए गलती कहाँ हो रही है!!! ★★★

समाचार सार

जुगल किशोर जैथलिया की स्मृति में रक्तदान शिविर

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सेवा समिति द्वारा **कर्मयोगी जुगल किशोर जैथलिया जी** की पुण्य स्मृति में एक स्वेच्छा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। ७०वें स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य में नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता में आयोजित रक्तदान शिविर में ५५ लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के पौत्र **चन्द्र कुमार बोस**, भाजपा के राष्ट्रीय सचिव **राहुल सिन्हा, डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी, महावीर बजाज, मोहनलाल पारीक, अरुण प्रकाश मल्लावत, ओमप्रकाश मिश्र, भँवरलाल मूँधड़ा, किसन झँवर, राजेन्द्र गुप्ता, पार्षद मीना देवी पुरोहित, पार्षद सुनीता झँवर, पार्षद विजय ओझा**, आदि उपस्थित थे। आगन्तुक अतिथियों का सम्मान संस्था के सचिव **श्री गुडडन सिंह** ने किया। कार्यक्रम का संचालन **श्री शंकर बक्स सिंह** ने एवं धन्यवाद ज्ञापन संस्था के अध्यक्ष **श्री शार्दूल सिंह जैन** ने किया।

Diva™
from LA OPALA®

La Opala RG Ltd (Corporate Office) **P** 033 6503 6656 - 59
Chitrakoot 10th Floor 230A AJC Bose Road Kolkata 700020
E info@laopala.in | www. laopala.in

Scratch Resistance | Microwave Safe | Break Resistant | Toughened Extra Strong | Super White | Super Light | Bone Ash Free 100% Vegetarian

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYPRELAM®
CENTURYMDF®
CENTURYDOORS™

zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE™
NEW AGE PANELS

SAINIK
PLYWOOD
HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**

E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

विविध

समाज का एक कड़वा सच

एक दिन पंडित को प्यास लगी, संयोगवश घर में पानी नहीं था। इसलिए उसकी पत्नी पड़ोस से पानी ले आई। पानी पीकर पंडित ने पूछा - कहाँ से लायी हो? बहुत ठंडा पानी है। **पत्नी** - पड़ोस के कुम्हार के घर से। पंडित ने यह सुनकर लोटा फेंक दिया और उसके तेवर चढ़ गए। वह जोर-जोर से चीखने लगा। **पंडित** - अरी, तूने तो मेरा धर्म भ्रष्ट कर दिया। कुम्हार (शूद्र) के घर का पानी पिला दिया। पत्नी भय से थर-थर काँपने लगी। उसने पण्डित से माफ़ी माँग ली। **पत्नी** - अब ऐसी भूल नहीं होगी। शाम को पण्डित जब खाना खाने बैठा तो घर में खाने के लिए कुछ नहीं था। **पंडित** - रोटी नहीं बनाई। भाजी नहीं बनाई। क्यों? **पत्नी** - बनायी तो थी। लेकिन अनाज पैदा करने वाला कुणबी (शूद्र) था और जिस कड़ाही में बनाया था, वो कड़ाही लुहार (शूद्र) के घर से आई थी। सब फेंक दिया। **पण्डित** - तू पगली है क्या?? कहीं अनाज और कड़ाही में भी छूत होती है? अच्छा, पानी तो ले आओ। **पत्नी** - पानी तो नहीं है जी। **पण्डित** - घड़े कहाँ गए? **पत्नी** - वो तो मैंने फेंक दिए क्योंकि कुम्हार के हाथ से बने थे। **पंडित** - दूध ही ले आओ। वही पी लूँगा। **पत्नी** - दूध भी फेंक दिया जी। क्योंकि गाय को जिस नौकर ने दूहा था, वो तो नीची (शूद्र) जाति से था। **पंडित** - हद कर दी तूने, यह भी नहीं जानती कि दूध में छूत नहीं लगती है। **पत्नी** - यह कैसी छूत है जी जो पानी में तो लगती है, परन्तु दूध में नहीं लगती? पंडित के मन में आया कि दीवार से सर फोड़ ले। वह गुर्रा कर बोला - तूने मुझे चौपट कर दिया है जा अब आंगन में खाट डाल दे मुझे अब नींद आ रही है। **पत्नी** - खाट? उसे तो मैनें तोड़ कर फेंक दिया है जी, क्योंकि उसे शूद्र (सुथार) जात वाले ने बनाया था। **पंडित** चीखा - वो फूलों का हार तो लाओ। भगवान को चढ़ाऊँगा, ताकि तेरी अक्ल ठिकाने आये। **पत्नी** - हार तो मैंने फेंक दिया। उसे माली (शूद्र) जाति के आदमी ने बनाया था। **पंडित** चीखा - सब में आग लगा दो, घर में कुछ बचा भी हैं या नहीं। **पत्नी** - हाँ यह घर बचा है, इसे अभी तोड़ना बाकी है। क्योंकि इसे भी तो पिछड़ी जाति के मजदूरों ने ही बनाया है। **पंडित के पास कोई जबाब नहीं था।**

अपणां बडेरा

आला बंचता नीं आप सुं सूखा कोई रा बाप सुं
बडेरां रो काम चालतो अंगूठा री छाप सुं

दीखणं में गिंवार हा लाखां रो बिजनस कर लेता
ब्याजूणां दाम दिया पेली अडाणें गेणां धर लेंता

धोती लोटा ले आंता हा धन री पोटां ले आंता हा
ढाका सुं मलमल ल्यांता हा लाहोरी लोटा ल्यांता हा

प्यार महीनां खपता हा बारा महीनां खांता हा
आणां ठाणां औसर मौसर दस दस गांव जिमांता हा

एक लोटो हूंतो हो सगला घर रा निपट्यांता हा
दांतणं खातर नीमडा री डाली तोड लियांता हा

परणींजण नें जांवता हा ऊंट बलद रा गाडां में
हनीमून मनाय लेंवता भौंसियां रा बाडा में

न्यारा न्यारा रूम कठै हा कामलां रा ओटा हा
पोता पोती पसता पसता दादी भेला सोंता हा

सात भायां री बेनां हूंती दस बेटां रा बाप हूंता
भूखो कोई रेंवतो कोनीं मोटा अपणें आप हूंता

मा बापां रे सामनें फिल्मी गाणां गांता कोनीं
घरवाली री छोडो खुद रा टाबर नें बतलांता कोनीं

कारड देख राजी हूता तार देखकर धूजता
मांदगी रा समाचार मरयां पछै ही पूगता

मारवाड़ी में लिखता लेणां आडी टेडी खांचता
लुगायां रा लव लेटर नें डाकिया ही बाचता

पांच पांच सोगरा तो धाप्योडा गिट ज्यांवता
खेजडी रा छोडा खार काल सुं भिड ज्यांवता

लुगायां घर में रेंती मोडा पर कोनीं बैठती
साठ साल की हू ज्यांती बजार कोनीं देखती

बाडा भरयोडा टाबर हूंता कोठा भरिया धान हा
पैदा तो इंशान करता पालता भगवान हा

कोडियां री कीमत हूंती अंटी में कलदार रेंता
लुगायां री पेटियां में गेणां रा भंडार रेंता

भाखरां पर ऊंचा म्हेल मालिया चिणायग्या
आदमी में ताकत किती आपां ने समझायग्या

पाला जांता मालवे डांग ऊपर डेरा हा
दूजा कोनीं बे आपणां बडेरा हा ★ ★ ★

IISD
SREI
Foundation
A Gateway to Careers
"Educate Morally & Technically"
— Swami Vivekananda
Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100%
Quality Higher Education at lowest prices
– a corporate social responsibility
2 Yrs. PGDM ₹ 1,00,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)
2 Yrs. #MBA + PGDM ₹ 1,70,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)
3 Yrs. #BBA ₹ 75,000
2 Yrs. MBA + PGPM ₹ 85,000
3 Yrs. #BCA ₹ 75,000
2 Yrs. MBA (Hospital Mgmnt.) ₹ 95,000
DUAL SPECIALISATION AVAILABLE
ELIGIBILITY & SELECTION
FOR MBA/PGDM
BACHELOR'S DEGREE IN ANY DISCIPLINE WITH 50% SCORE
APPEARING FOR FINAL DEGREE EXAMINATION
GROUP DISCUSSION
PERSONAL INTERVIEW
APTITUDE TEST
APPLICANTS WITH CAT / MAT / XAT ARE PREFERRED
Assistance for placement
• Eminent Faculty • Online Application Facility
• Regular/Weekend Classes • Hostel
• AC Classrooms • P G Accommodation
Complimentary Courses
Spoken English
Foreign Languages
Bengali & Sanskrit
ERP Training (Microsoft Certified)
Company Secretaryship / Chartered Accountancy / Administrative Services
Entrepreneurship Development
Theology
Other Courses :
• Company Secretaryship • Advocateship
• E-Tuition
• Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
• Retail Management
• Preparatory course for Entrance Examination of MD, MS, MRCP (Medicine) – Part-I and DNB – Part-I
• Language Courses : Functional English, Spoken English, Spanish, Italian, Russian, German, Chinese, Japanese, Arabic, Burmese, Persian, French, Korean, Sanskrit, Bengali and Hindi
• Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
• WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)
• Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
• NDA / CDS – UPSC Examinations and SSB Interview
• Certificate Course on Computer Applications
• Advanced Diploma in Financial Management
• Vocational & Technical Training
• Entrepreneurship Development
• Diploma in Banking and Finance
• Certificate course on theology
Recognised by UGC, Ministry of HRD, Govt. of India, Approved by Joint Committee of UGC, AICTE & DEC
INSTITUTE FOR INSPIRATION & SELF DEVELOPMENT
IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in
Website : www.iisdedu.in
9, Syed Amir Ali Avenue, 5th Floor
Kolkata- 700017, Ph : (033) 2290 0338

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री श्याम सुन्दर सराफ
मे. गोपाल श्याम सुन्दर
४९/१, कॉटन स्ट्रीट,
कोलकाता - ७०० ००७
मो. ९३३१० २९८०७

श्री आनन्द चोपड़ा
मे. चोपड़ा एण्ड कम्पनी
चोपड़ा हाउस, १३३, कैनिंग स्ट्रीट, कोलकाता-७०० ००१
मो. ९८३१०००७८२

श्री संतोष कुमार जैन
मे. अरिस्सन पावर लि०
१०, प्रिंसेप स्ट्रीट, द्वितीय तल
कोलकाता - ७०० ०७२
मो. ९८३१० ७६९८२

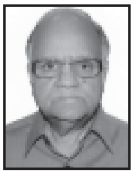

श्री बुलाकी दास भैया
मे. कैमरॉन एक्सपोर्ट लिमिटेड
९५, पार्क स्ट्रीट, द्वितीय तल
कोलकाता - ७०० ०१६
मो. ९८३०० ७६९७८

श्री वासुदेव अग्रवाल
मे. वासुदेव एण्ड एसोसियेट्स
५, फैंसी लेन, तीसरा तल
कमरा नं. ९
कोलकाता - ७०० ००१
मो. ९८३०० ७८३७८

श्री गोविन्द गर्ग
मे. तिरुमाला प्रोजेक्ट्स प्रा. लि.
तिरूमाला हाउस
५१, शेक्सपियर सरणी
कोलकाता-७०० ०१७
मो. ९८३०१ ३७७२७

श्री सुशील कुमार अग्रवाल
मे. बुद्धम साई इण्डस्ट्रीज
कृष्णा-८०७
२२४, ए.जे.सी. बोस रोड,
कोलकाता - ७०० ०१७
मो. ९८३१००७३९८

संरक्षक सदस्य

श्री विश्वनाथ केजड़ीवाल
शिवाजी कॉलोनी
पूर्णिया - ८५४ ३०१
बिहार
मो. ९४३०२ १४१५३

डॉ. डी. राम
मे. मॉडर्न क्लिनिक
लाईन बाजार
पूर्णिया - ८५४ ३०१, बिहार
मो. ९४३१२ ३०१७७

श्री वेणी प्रसाद पाटोदिया
विकाश बाजार के पीछे
बस स्टैण्ड
पूर्णिया - ८५४ ३०१, बिहार
मो. ९४३१२ ३००५४

श्री जगदीश अग्रवाल
मे. अरूप राईस मिल
मेन रोड, कसबा
पूर्णिया-८५४ ३३०, बिहार
मो. ९४३१२ ८४४७९

श्री दीपक पंसारी
भट्टा बाजार
पूर्णिया-८५४ ३०१
बिहार
मो. ९४३१६४११८५

श्री माधव सुरेका
११, ब्रैबर्न रोड
द्रोपदी मेन्सन, तीसरा तल
कोलकाता-७०० ००१
मो. ९८३०० ४९४६८

श्री अशोक कुमार अग्रवाल
मे. न्यु हिन्द सिल्क हाउस प्रा. लि.
१११ए, पार्क स्ट्रीट, द्वितीय तल
कोलकाता-७०० ०१६
मो. ९८३१००४७४३

श्री कमल कुमार सिंघानिया
मे. ट्रेड फ्रैन्ड्स
५, नॉर्थ मार्केट रोड
अपर बाजार, राँची-८३४ ००१
झारखण्ड
मो. ९४३१११५१५०

श्री बिमल कुमार सिंघानिया
५, नार्थ मार्केट रोड
अपर बाजार, राँची-८३४ ००१
झारखण्ड
मो. ९२३४६ २५०५०

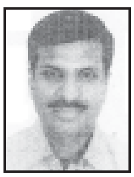

श्री जय प्रकाश सिंघानिया
मे. ट्रेड विंग्स
५, नार्थ मार्केट रोड
अपर बाजार, राँची-८३४ ००१
झारखण्ड
मो. ९४३११ ७४४८८

सम्मेलन के सदस्य बनें और बनायें।

आजीवन सदस्य

श्री पवन जैन क्वालिटी इंडस्ट्रीज, ७ए, किरण शंकर राय रोड, कोलकाता - १	श्री बिजय कुमार जैन ३६/१२, एन.एस. रोड पो. रिसड़ा, हुगली-७१२ २४८	श्री प्रमोद कुमार जोशी ३५६, जी.टी. रोड, रिसड़ा हुगली-७१२ २४८ प. बं.	श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल सुशील भवन, ५१/१९, के. पी. साह रोड, रिसड़ा-७१२ २४८	श्री संजीव लोसल्का सनी अपार्टमेंट, ८७/३, एन. के. बनर्जी स्ट्रीट, रिसड़ा-७१२ २४८
श्री शरद कुमार खटोर २८५ बी, बी.बी. गांगुली स्ट्रीट द्वितीय तल, कोलकाता-७०० ०१२	श्री अशोक पुरोहित १६१, एम जे. नगर रोड रिसड़ा, हुगली-७१२ २४९	श्री अशोक कुमार देवटिया ७९/३, जी.टी. रोड (उत्तर) बागखल, रिसड़ा-७१२ २४८	श्री पवन कुमार पोद्दार गरुडा ऑटोमेशन सिस्टम प्रा.लि. २५सी, स्वालो लेन, कोलकाता-१	श्री सच्चिदानंद पारीक शक्ति स्टोर, ११३बी, मनोहर दास कटरा, कोलकाता-७०० ००७

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य				
श्री नवीन कंदोई कलकत्ता टेंट मैनुफक्चरिंग कं. १, चितपुर घाट लेन, कोलकाता-२	रवि कुमार शर्मा ८९/२१३, बांगड़ पार्क पोस्ट-रिसड़ा-७१२ २४८, हुगली	सौरभ सरावगी इकोलीन इक्जिम प्रा. लि. ८, जी.सी. घोष रोड, कोलकाता-४८	श्री प्रमोद अग्रवाल (आर्य) एसोशिएटेड जुट इंडस्ट्रीज ९/४, कृंद्रावन दत्ता लेन, हावड़ा-१०६	श्री अशोक कुमार अग्रवाल अनुजा साड़ी, ४७, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता - ७
श्री रमेश कुमार नांगलिया २४९/एच, जी.टी. रोड, प्रथम तल, लिलुआ, हावड़ा	श्री ललित नागौरी ८९/२२४, बांगड़ पार्क रिसड़ा, हुगली	श्री संजय कुमार मिश्रा १२२/१ एन. के. बनर्जी स्ट्रीट चौथा तल, रिसड़ा, हुगली	श्री प्रवीण सिंघानिया पी-९२, सी.आई.टी. रोड, चौथा तल, स्कीम-६ (एम), कोलकाता-५४	श्री भरत कुमार वैद्य २, चर्च लेन, रुम नं. ३०८बी कोलकाता-७०० ००१
श्री प्रदीप पोद्दार ए.एम.पी. युनिवर्सल रियलिटी प्रा. लि. ए जी-११२, सॉल्ट लेक सिटी, कोल-९१	श्री उत्पल जालान वशुधा जालान, ६५९, मार्शल हाउस, कोलकाता-७०० ००१	श्री सुशील कुमार चौधरी डी.के.एस. लॉजिस्टिक्स प्रा.लि. १९६ए, महर्षि देवेन्द्र रोड, कोलकाता-६	श्री श्याम सुन्दर शर्मा युनाइटेड क्रेडिट सिक्युरिटीज लि. ७सी, मिडल्टन स्ट्रीट, कोलकाता-७१	श्री पुनीत गुजरवासिया (अग्रवाल) गणपति बालाजी स्पिनींग मिल्स प्रा.लि., २१, कैमक स्ट्रीट, कोलकाता-१६
श्री विनित गुजरवासिया (अग्रवाल) राजश्री वाणिज्य प्रा. लि., ७, गणेश चन्द्र एवेन्यु, कोलकाता-१३	श्री सुशील कु. अग्रवाल (रावलवासिया) रावलवासिया ग्रुप, १४, कांग्रेस एक्जीविशन रोड, कोलकाता- १७	श्री सत्यनारायण अग्रवाल एस. नारायण अग्रवाल एण्ड कं. ४२/१, बी.बी. गांगुली स्ट्रीट, कोल.-१२	श्री नारायण कुमार अग्रवाल बिकानेर बिल्डींग, ८/१, लाल बाजार स्ट्रीट, कोलकाता - १	श्री हरिलाल अग्रवाल जीया एक्जिम प्रा. लि., २८/८, सी.एन. राय रोड, कोलकाता-३९
श्री सुशील कुमार सोंथलिया २१, मधु सुदन पाल चौधरी लेन हावड़ा-७११ १०१	श्री महेन्द्र अग्रवाल अग्रवाल ट्रेडिंग कं., ४७, काली कृष्णा स्ट्रीट, कोलकाता-७०० ००७	श्री गिरीश कुमार माधोगड़िया ८बी/१, क्वीन्स पार्क, बालीगंज कोलकाता-७०० ०१९	श्री लक्की खेतान माडर्न आयरन एण्ड स्टील कं. पी-२३१/१, बनारस रोड, हावड़ा-१०८	श्री सांवरमल अग्रवाल कनिका अपार्टमेंट, २०, रविन्द्र सरणी, लिलुआ, हावड़ा-७११ २०४
श्री रामअवतार अग्रवाल नपसर पालीमर प्रा. लि., १२, नूरमल लोहिया लेन, कोलकाता-७	श्री पंकज कुमार गोयनका श्रीजी निकेतन, ८९८, दक्षिणधारी रोड, श्रीभूमि, कोलकाता-४८	श्री मोहनलाल अग्रवाल २१२, कनाल स्ट्रीट, कोलकाता - ७०००४८	श्री कनक कुमार दुग्गड़ १४, बेन्टिक्ट स्ट्रीट (५वाँ तल) कोलकाता - ७००००१	श्री संतोष पाटोदिया पूर्वा पार्क अपार्टमेंट, एम. एस.ओ. कॉलोनी, बेंगलुरु-३३
श्री रमेश कुमार कटारूका ३०, महर्षि देवेन्द्र रोड कोलकाता - ७००००७	श्री राजेश सराफ ५, बालमुकुन्द मेकर रोड कोलकाता - ७००००७	श्री मनोज कुमार अग्रवाल ३४, एजरा स्ट्रीट कोलकाता - ७००००१	श्री दीपक कुमार अग्रवाल ३४, एजरा स्ट्रीट कोलकाता - ७००००१	श्री अमित कुमार डालमिया १६७, जेसौर रोड, क्लब टाउन ग्रीन्स, कोलकाता-५५
श्री सुनील कुमार शर्मा १९४ए, मानिकतल्ला मेन रोड, कोलकाता-७०००५४	श्री गोविन्द प्रकाश अग्रवाल १५७, रवीन्द्र सरणी कोलकाता - ७००००७	श्रीमती ममता अग्रवाल २०६,ब्लॉक 'ए', बांगड़ एवेन्यु, कोलकाता-७०००५५	श्री प्रमोद कुमार शाह १४, चाँदनी स्ट्रीट कोलकाता - ७०००७२	श्री सुदीप नोपानी बांगड़ कॉम्प्लेक्स, फ्लैट : एच-१२, कोलकाता-३८
श्री अमर चन्द अग्रवाल बीमा आवासन, दक्षिण दारी रोड, कोलकाता - ७०००४८	श्री संजय कुमार थराड ९/१२, लाल बाजार स्ट्रीट कोलकाता - ७००००१	श्री राजेश कुमार भूतोड़िया २६६, दक्षिण दारी रोड, कोलकाता - ७०००४८	श्री रतन लाल गड़िया २०९, सी. आर. एवेन्यू कोलकाता-७००००६	श्रीमती शालिनी अग्रवाल २०६, ब्लॉक-ए, बाँगड़ एवेन्यु, कोलकाता-७०००५५
श्री विजय कुमार अग्रवाल 'बरसाना'बी.जे.८१ सॉल्ट लेक कोलकाता - ७०००९१	श्री निर्मल गोयल २८, ब्लैक बर्न लेन कोलकाता - ७०००१२	श्री बजरंग लाल गुप्ता के.बी.२७, साल्ट लेक कोलकाता - ७०००९८	श्री अंकित डोकानिया १बी, राजा सुबोध मल्लिक स्कवायर लेन, कोलकाता-१३	श्री अर्पित डोकानिया १बी, राजा सुबोध मल्लिक स्कवायर लेन, कोलकाता-१३
श्री मोहन गुप्ता ७, दिगम्बर जैन टेम्पल रोड कोलकाता- ७००००७	श्री प्रमोद कुमार केडिया १७, बाल मुकुन्द मैकर रोड कोलकाता - ७००००७	श्री बालकृष्ण छोटारिया २, सप्तगाछी द्वितीय लेन कोलकाता - ७०००३९	श्री संतोष कुमार मोहता ८, बी.बी.डी. बाग (ई.) कोलकाता - ७००००१	श्री बनवारी लाल रूँगटा ४१, बी. बी. गांगुली स्ट्रीट कोलकाता - ७०००१२
श्री ईश्वर प्रसाद गोयनका ३१, कॉलेज स्ट्रीट, प्रथम तल कोलकाता - ७०००७३	श्री मनोज सेठीया ३, बेंटीक्ट स्ट्रीट कोलकाता - ७००००१	श्री दीपक टीबड़ेवाला ५६, मेटकाफ स्ट्रीट कोलकाता - ७०००१२	श्री सुनील सिंघानिया ७-बी, किरण शंकर राय रोड कोलकाता - ७००००१	श्री श्याम सुन्दर सेक्सरिया २१, खेत्रा मोहन मित्रा रोड कोलकाता - ७००००१
श्री निर्मल सराफ २/२बी, चेतन सेठ स्ट्रीट कोलकाता - ७००००७	श्रीमती अनिता अग्रवाल २१, बाराणसी घोष स्ट्रीट कोलकाता - ७००००७	श्री संजय कुमार अग्रवाल १बी, राम लोचन मल्लिक स्ट्रीट कोलकाता - ७०००७३	श्री रोहित अग्रवाल १बी, राम लोचन मल्लिक स्ट्रीट कोलकाता - ७०००७३	श्री दीपक अग्रवाल १बी, राम लोचन मल्लिक स्ट्रीट कोलकाता - ७०००७३

Translating dreams into reality

for a perpetual smile on every face

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2013-2015
Date of Publication - 15th September 2016
RNI Regd. No. 2868/68

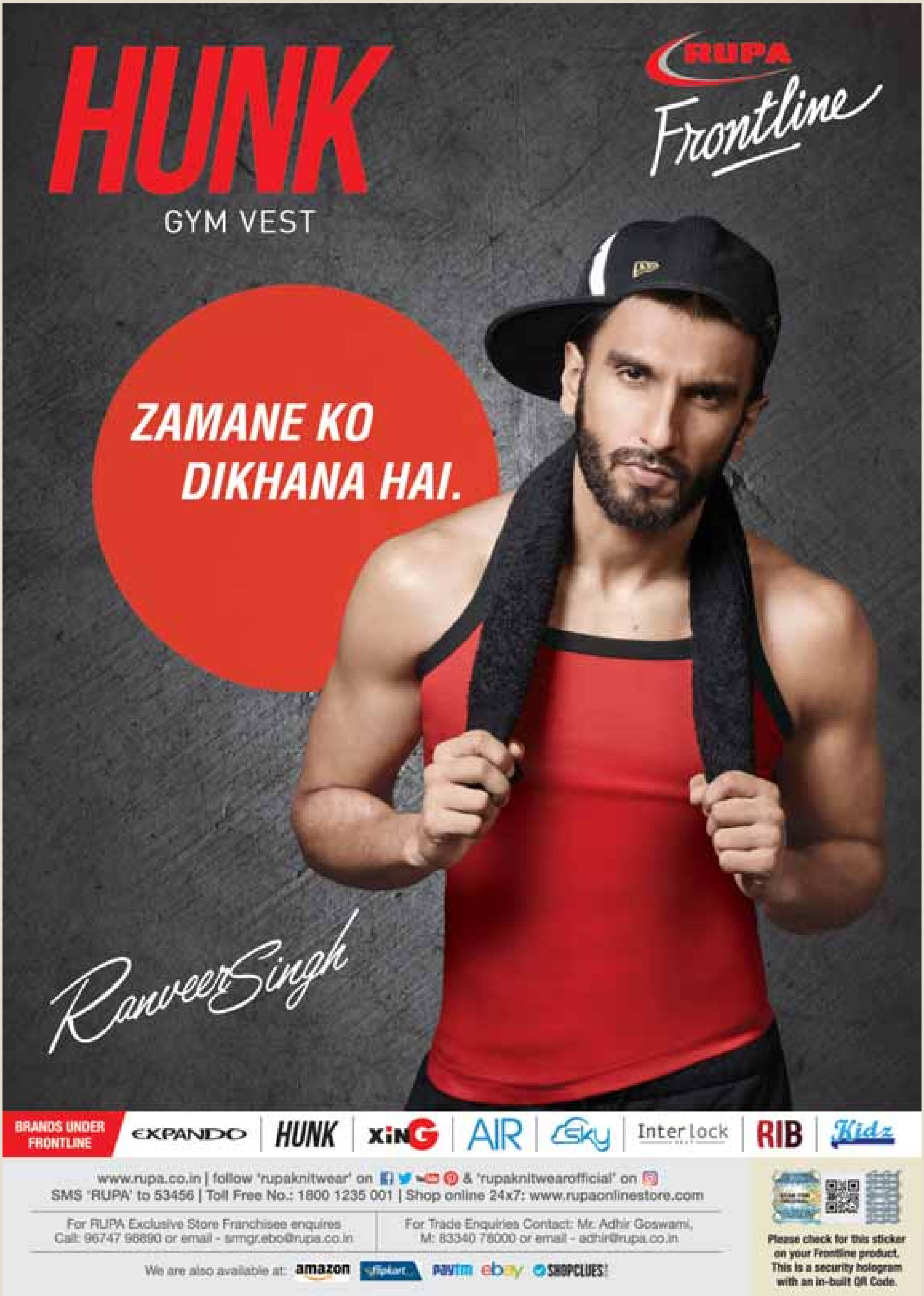

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com